

2017 से पहले माफिया के सामने नाक रगड़ती थी सरकार लोक सेवा आयोग को भर्ती प्रक्रिया भविष्य की जरूरतों के अनुसार बदलने की जरूरत: मोदी

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूर्ववर्ती सरकार की कानून-व्यवस्था पर तीखा हमला बोला। 2017 से पहले प्रदेश के हरे जिले में दुरांत माफिया का बोलबाला था। सामानांतर सरकारें चलती थीं। माफिया के सामने नाक रगड़ी जाती थी, घुटने टेके जाते थे और पुलिस मजबूर थी। राजनीतिक नेतृत्व की रीढ़ ही टेढ़ी हो तो वह कानून-व्यवस्था को सीधा कैसे कर सकता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को लोकभवन सभागार में समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने 87 इंटरसेक्टर वाहनों को हरी झंडी दिखाई, वीर पुलिससंक्रियाओं को पदक प्रदान किए और पूर्व डीजीपी प्रकाश सिंह की पुस्तक 'संघर्ष' का विमोचन भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 के बाद सरकार ने पुलिस सुधारों को आगे बढ़ाया। प्रकाश सिंह ने जिस पुलिस रिफॉर्म की वकालत की थी, उसे उत्तर प्रदेश ने देश में सबसे पहले

● 16 पुलिसकर्मियों को राष्ट्रपति वीरता पदक, 10 को मुख्यमंत्री वीरता पदक

लागू किया। प्रदेश में अब सात पुलिस कमिश्नरेट काम कर रहे हैं। आज यूपी पुलिस के सामने विचार, वीरता और तकनीक, तीनों का सामन्वय दिखाई दे रहा है। 'सर्घर्ष' के माध्यम से पुलिस सेवा के अनुभव और चुनौतियाँ सामने आई हैं तो जांबाजों की वीरता का सम्मान हुआ है और सड़क सुख्खा के लिए अत्याधुनिक इंटरसेप्टर वाहन पुलिस बल को समर्पित किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बंद कमरे में बैठकर किसी के प्रति कोई भी टिप्पणी करना आसान है। कोई व्यक्ति कितना भी बड़ा क्यों न हो और उसे अपने पद का कितना भी गुरुर हो, सुख्खा हटा दी जाए तो अराजकता के माहौल में उसे भी किसी बिल्ली बनने में नहीं लगेगी। स्वस्थ चिंतन तभी

संभव है, जब समाज में सुरक्षा का वातावरण हो। सुरक्षित माहौल में ही समृद्धि की परिकल्पना को साकार किया जा सकता है। यूपी पुलिस की थीम 'आपकी सुरक्षा, हमारा संकल्प' इसी भावना को व्यक्त करती है। जब तराई क्षेत्र आतंकवाद की चपेट में था, तब पुलिस व सेना की सुरक्षा में ही आवागमन संभव था। सूर्यास्त के बाद आवाजाही लगभग बंद हो जाती थी। उस समय जीजीपी के रूप में प्रकाश सिंह ने इन चुनौतियों का सामना किया। पुलिस सुधारों

को प्रेरित करने वाली उनकी वैचारिकी अब पुस्तक के रूप में सामने आई है। आधार और विचार में जब समन्वय होता है और दोनों एक ही दिशा में आगे बढ़ते हैं तभी परिणाम सामने आता है। 2017 से पहले प्रदेश की कानून-व्यवस्था की स्थिति का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय 'यूपी वाला' कहकर लोगों को बाहर कर दिया जाता था। पुलिस के सामने भी बड़ी चुनौतियाँ थीं। राजनीतिक नेतृत्व में स्वयं निर्णय लेने की सामर्थ्य नहीं हो तो कानून-व्यवस्था को नियंत्रित करना कठिन होता है। तब पुलिस सुधार और अवस्थापना सुविधाओं की स्थिति भी बेहतर नहीं थी। एक वर्ष में करीब छह हजार पुलिस कार्मिकों को ही प्रशिक्षण दिया जा सकता था। पुलिसकर्मियों को टूटें भवनों में रहना पड़ता था। पीएसी की वाहिनियाँ समाप्त कर दी गई थीं। कोसीकलां, मेरठ, अलीगढ़ और मुजफ्फरनगर समेत कई स्थानों पर दंगों के चलते लंबे समय तक कर्फ्यू लगा।

नई दिल्ली, ए.जे.सी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि संघ लोक सेवा आयोग और राज्य चयन आयोगों को भविष्य की जरूरतों के अनुसार चयन के मानदंड और भर्ती प्रक्रिया में बदलाव करना चाहिए। प्रधानमंत्री ने गुरुवार को यहां भारत मंथन में संघ लोक सेवा आयोग के शताब्दी समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि चयन प्रक्रिया में केवल शैक्षणिक ज्ञान नहीं, बल्कि जनसेवा की प्रेरणा, जटिल समस्याओं का हल करने की क्षमता और भविष्य की चुनौतियों को समझने की क्षमता को भी परखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी के प्रशासन का आधार जनहितैषी, सक्रिय और सुशासन होना चाहिए। नागरिक देवो भवः को प्रशासन का मूल बताते हुए उन्होंने कहा कि नागरिक सेवा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने भर्ती प्रक्रिया में ऐसे अधिकारियों के चयन पर जोर दिया जो समस्याओं का पहले



से अनुमान लगाएँ, नए समाधान खोजें और कानूनों के असर को नागरिकों के नजरिये से समझें। प्रधानमंत्री ने परीक्षाओं को कराने में लगने वाले समय को कम करने पर जोर देते हुए कहा कि यह एक बहुत अहम विषय है। प्रधानमंत्री ने कहा, 'ए परीक्षा को हमें केवल एक इवेंट की तरह नहीं देखना है। ये इवेंट से कहीं अधिक युवाओं के भविष्य से, उनके जीवन से जुड़ा हुआ विषय है। परीक्षाओं में कुछ महीनों की देरी युवाओं के लिए बड़ा संकट बन सकती है। कोविंग की फीस, रेंट, ट्रांसपोर्ट का खर्च, ये बहुत बड़ा बोझ उस परिवार पर होता है। इसलिए, हमारी परीक्षा प्रणाली में समय की निश्चितता के सिद्धांत को अपनाया बहुत आवश्यक है। इसलिए, देश के सभी चयन आयोगों को, ये सुनिश्चित करना होगा, कि कसौटी में कमी किए बिना, हमारी एग्जामिनेशन साइकिल छोटी कैसे हो?' श्री मोदी ने कहा कि 2047 तक देश में तेजी से शहरीकरण होगा और गांवों तथा शहरों के बीच का अंतर कम होगा। ऐसे में युवाओं की अपेक्षाएँ बढ़ेंगी और एआई आधारित तत्काल सेवाओं के दौर में प्रशासन को भी उसी गति से बदलना होगा।

रामबन में जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग की सुरंग में बस पलटने से 33 लोग घायल

रामबन / जम्मू एजेंसी। जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर रामबन जिले के मरूंग के पास बृहस्पतिवार को एक सुरंग के भीतर श्रीनगर से जम्मू जा रही स्लीपर बस के पलट जाने से कम से कम 33 यात्री घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि घायलों में से नौ को



सेना के जवानों और सिविल विक् रिस्पांस टीम के स्वयंसेवकों की मदद से जिला अस्पताल (रामबन) पहुंचाया गया। यातायात अधिकारियों ने बताया कि हादसे के समय पश्चिम बंगाल में पंजीकृत इस स्लीपर बस में 55 यात्री सवार थे। अधिकारियों ने बताया कि हादसे के बाद यातायात की आवाजाही सुगम बनाने के लिए प्रभावित सुरंग में एक तरफ का मार्ग खोल दिया गया है। वरिष्ठ अधिकारी मौके पर मौजूद हैं और बचाव तथा यातायात प्रबंधन अभियान की निगरानी कर रहे हैं।

न्याय सबके लिए बराबर, बारी भी सबकी आएगी

नयी दिल्ली, एंजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने वीरवार को एक पूर्व न्यायिक अधिकारी की याचिका पर विचार करने से इनकार करते हुए कहा कि हर व्यक्ति को न्याय तक पहुंच का समान अधिकार है। पूर्व न्यायिक अधिकारी ने इलाहाबाद हाई कोर्ट से समझ लंबित उनकी याचिका पर जल्द सुनवाई का अनुरोध किया था। न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागवी और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील से कहा, चाहे कोई बस कंडक्टर हो या राज्य का सचिव, हर व्यक्ति को न्याय तक पहुंच का समान अधिकार है। पूर्व न्यायिक अधिकारी ने अपनी सेवा समाप्त किए जाने को हाई कोर्ट में चुनौती दी है। शीप अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता को हाई कोर्ट का रुख कर वहां अनुरोध करना चाहिए। याचिकाकर्ता के वकील ने पीठ को बताया कि हाई कोर्ट में मामलों के भारी बोझ के कारण उनकी याचिका पर फ़ैसला नहीं हो पाया है। पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता की याचिका को प्राथमिकता देने के लिए हाई कोर्ट से कहना उन अन्य वादियों के साथ अनुचित होगा, जो अपनी याचिकाओं पर सुनवाई के लिए अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं।

दिल्ली पुलिस ने 60 लाख रुपये की 4.71 लाख नकली सिगरेट पकड़ी, तीन आरोपी गिरफ्तार

नयी दिल्ली, एजेसी। दिल्ली पुलिस ने लगभग 60 लाख रुपये मूल्य की 4.71 लाख से अधिक नकली सिगरेट बरामद होने के बाद तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपियों की पहचान अकरम (32), राजरानी (70) और किशन मुरारी (28) के रूप में हुई है। पुलिस ने कहा कि एक टीम को 16 सितंबर को प्रशांत विहार इलाके में नकली सिगरेट लाए जाने के संबंध में सूचना मिली जिसके बाद अकरम को लगभग 1.20 लाख सिगरेट के साथ पकड़ लिया गया। प्रशांत विहार थाने में मामला दर्ज करने के बाद आपूर्ति नेटवर्क की जांच की गई। पुलिस ने बताया कि आगे की जांच के दौरान, 28 सितंबर को एक अन्य आरोपी को गिरफ्तार किया गया और उसके कब्जे से 1.59 लाख नकली सिगरेट बरामद की गई।

मुर्मु, राधा षणन और मोदी ने कैप्टन
मच्छार को बताया देश का हीरो,
जल्द स्वस्थ होने की कामना की

नयी दिल्ली 01 अक्टूबर (वार्ता) राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति सोपी राधाकृष्णन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी जान को जोखिम में डालकर पलाईडुबई की उड़ान एफजेड 1073 के 174 लोगों की जान बचाने वाले कैप्टन स्मित मच्छार को देश का हीरो बताते हुए उनका जल्द स्वस्थ होने की कामना की है। श्रीमती मुर्मू ने सोशल मीडिया पर गुरुवार को लिखा, प्वाफू को कैप्टन स्मित मच्छार पर गर्व है। उनके साहस और संकट की घड़ी में सूझबूझ ने हम सभी को प्रभावित किया है। गंभीर खतरे के क्षण में बुरी तरह घायल होने के बावजूद उन्होंने दूसरों की जान बचाने का संकल्प बनाया रखा। उनकी बहादुरी और त्वरित प्रतिक्रिया ने एक बड़ी त्रासदी को टालने और कई अनमोल जिनदिग्यां बचाने में मदद की। उन्होंने लिखा, मैं उनके जबरदस्त हौसले को सलाम करती हूँ और उनके जल्दी ठीक होने और अच्छी सेहत के लिए दुआ करती हूँ। श्री राधाकृष्णन ने एक्स पर लिखा, षडे खतरे का सामना करते हुए कैप्टन स्मित मच्छार की जबरदस्त हिम्मत और सूझबूझ बहुत तारीफ़ के काबिल है। देश इस अनोखे हीरो पर गर्व है। गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद हवा में उनके पक्के इरादे और सही कदम ने एक बड़ी मुसीबत को टालने और विमान में सवार लोगों की जान बचाने में मदद की। उन्होंने कहा, फ़ैप्टन मच्छार के जल्दी ठीक होनी ठीक होने की दुआ करता हूँ। भगवान करें वह जल्द ही अपनी ताकत वापस पा लें। भारत के इस हिम्मती बेटे का दिल से शुक्रिया श्री मोदी ने भारी खतरे का सामना करते हुए और गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद दूसरों के जीवन की रक्षा करने में अदम्य साहस और अटूट संकल्प का परिचय देने के लिए कैप्टन स्मित मच्छार की सराहना करते हुए कहा कि उनकी वीरता ने सैकड़ों लोगों की जान बचाने और एक बड़ी त्रासदी को टालने में मदद की।

804 करोड़ रुपये वाले 4 बैंक अकाउन्ट पर नहीं मिली राहत, सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की टीएमसी की याचिका

नई दिल्ली, एंजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को वृणमूल कांरेंस (टीएमसी) के ममता बनर्जी गुट की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें लगभग 804 करोड़ रुपये वाले चार डेबिट—प्रीज बैंक खातों को चलाने की अनुमति मांगी गई थी। जस्टिस एएमएम सुंदरेश और सीजी ब्राह्मे की बेंच ने चार बैंक खातों में मौजूद फंड का हकदार कौन है, यह बड़ा सवाल अभी भी विचाराधीन है। बेंच ने कहा, 'हम मामले को गुण-दोष पर नहीं जा रहे हैं।'

कहा कि वे काकत्ता हाई कोर्ट के उस आदेश में दखल देने के पक्ष में नहीं हैं, जिसने याचिका को अनुमति देने से इनकार कर दिया था। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट को निर्देश दिया कि वह इस मामले पर जल्द से जल्द फैसला करे। सुप्रीम कोर्ट ने गौर किया कि चुनाव आयोग ने पार्टी का चुनाव चिह्न फ्रीज कर दिया है, जबकि हम अनुच्छेद 136 के तहत अपने अधिकार क्षेत्र का इस्तेमाल करने के इच्छुक नहीं हैं। हम हाई कोर्ट से अनुरोध करते हैं कि वह सुनवाई में तेजी लाए। इस याचिका में विधायक विश्वनाथ दास की साइबर अपराध की शिकायत के बाद पार्टी के चार बैंक खातों को फ्रीज करने के पश्चिम बंगाल पुलिस के फैसले को चुनौती दी गई थी।

चार बैंक खातों में मौजूद फंड का हकदार कौन है, यह बड़ा सवाल अभी भी विचाराधीन है। बेंच ने कहा, छद्म मामले के गूण-दोष पर नहीं जा रहे हैं।

राहुल ने ऑनलाइन फॉर्म-6 में बदलाव को लेकर चुनाव आयोग, टीसीएस से पूछे सवाल

नयी दिल्ली, एंजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोक सभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने नये मतदाताओं के लिए ऑनलाइन फॉर्म-6 में किये बदलाव को लेकर चुनाव आयोग और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) से ज़रूरी सवाल पूछे हैं। गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर कहा, ऑनलाइन फॉर्म-6 में गैरकानूनी तरीके से बदलाव किया गया, जैसा कि चुनाव आयोग के अपने आयुक्तों ने दर्ज किया है।



एक करोड़ पंचायतों की ओर





राजनीति का मुख्य उद्देश्य लोक कल्याण और समाज के अंतिम व्यक्ति की सेवा होनी चाहिए।

-महात्मा गांधी

अंत्योदय

6 करोड़+ लोग बहुआयामी गरीबी से बाहर



ग्राम स्वराज

10.58 लाख+ स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी 1.24 करोड़+ महिलाएं आत्मनिर्भर



स्वदेशी

देश के 60% मोबाइल का विनिर्माण उत्तर प्रदेश में



157वीं जयंती पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को कोटि-कोटि नमन!

"बापू के असाधारण जीवन एवं आदर्शों ने मानव इतिहास की दिशा बदल दी। साहस, सादगी, स्वच्छता, स्वदेशी एवं स्वरोजगार बड़े परिवर्तन के वाहक बन सकते हैं, यह बापू ने हमें सिखाया। विकसित उत्तर प्रदेश के अभियान में उनके बताए मार्ग पर चलना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी।"

योगी आदित्यनाथ
मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

खादी

₹162 करोड़+ के उत्पादों का विक्रय



सर्वोदय

1 करोड़+ एमएसएमई इकाइयां
4 करोड़ लोगों को आजीविका



स्वावलंबन/रोजगार

4.25 करोड़+ रोजगार/स्वरोजगार



स्वच्छता

100% ओडीएफ राज्य



आत्मनिर्भरता

22% खाद्यान्न उत्पादन
'देश का फूड बास्केट रूपा'*



(2 अक्टूबर, 1869-30 जनवरी, 1948)

अंत्योदय से सर्वोदय की ओर

बापू की राह पर कदम बढ़ाएं स्वच्छ-सशक्त उत्तर प्रदेश बनाएं

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश
विकास की गति अपार-डबल इंजन सरकार

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन **1076**





© 2023 Government of India

बाबा का आशीर्वाद आपके साथ, मूल गर्भगृह स्थल पर बनेगा भव्य मंदिर: प्रदीप मिश्रा

मथुरा। श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति न्यास के अध्यक्ष एवं हिंदू पक्षकार महेंद्र प्रताप सिंह एडवोकेट ने गुरुवार को कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा से विशेष मुलाकात की। उन्होंने पंडित मिश्रा का फूलमाला पहनाकर स्वागत किया तथा भगवान राधा–कृष्ण की छवि और श्रीमद्भगवद्गीता भेंट की। करीब 30 मिनट चली



मुलाकात में श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर के इतिहास, मूल गर्भगृह स्थल और न्यायालय में विचाराधीनवादों को लेकर चर्चा हुई। महेंद्र प्रताप सिंह ने हिंदू पक्ष की ओर से किए जा रहे दावों और जुटाए गए

ऐतिहासिक दस्तावेजों की जानकारी पंडित मिश्रा को दी। उन्होंने कहा कि मूल गर्भगृह स्थल पर भव्य मंदिर निर्माण और आगरा से भगवान के विग्रह वापस लाने की मांग को लेकर उच्च न्यायालय में दो वाद दायर किए गए हैं। मुकदमों की तैयारी के लिए देश–विदेश की लाइब्रेरियों से ऐतिहासिक दस्तावेज, पुस्तकें और अन्य सामग्री जुटाकर साक्ष्य तैयार किए गए हैं। पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण के मूल गर्भगृह स्थल पर भव्य–दिव्य मंदिर का निर्माण अब नहीं हुआ तो फिर कब होगा। उन्होंने कहा कि श्री शिव बाबा के आशीर्वाद से मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त होगा। उन्होंने महेंद्र प्रताप सिंह को आंदोलन में हरसंभव सहयोग का भरोसा दिया। उन्होंने कहा कि भविष्य में श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति न्यास के बैनर तले होने वाले बड़े आयोजन में समय मिला तो वह शामिल होंगे। पंडित मिश्रा ने कहा कि सनातन की रक्षा के लिए एकजुट होने की आवश्यकता है। कथाओं के माध्यम से इसका संदेश दिया जा रहा है और श्रीकृष्ण जन्मभूमि की मुक्ति का विषय भी भक्तों तक पहुंचाया जाएगा। इस दौरान मुंबई से आए फिल्म निर्देशक विजय पाल सिंह, मनोज राजावत, मनोज चौधरी और भगत सिंह मौजूद रहे।

राष्ट्रीय युवा संसद प्रतियोगिता में दिखी संसदीय प्रणाली की रूपरेखा

प्रयागराज। चौधरी महादेव प्रसाद महाविद्यालय में मिनिस्ट्री ऑफ पार्लियामेंट्री अफेयर्स, भारत सरकार के तत्वावधान से 1 अक्टूबर 2026 को 18 वीं राष्ट्रीय युवा संसद प्रतियोगिता,2026 का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में लोकतांत्रिक मूल्यों, संसदीय कार्य प्रणाली के प्रति व्यावहारिक समझ विकसित करना था। प्रतियोगिता का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और वन्दे मातरम् के गायन से हुआ तदुपरांत कार्यक्रम के अध्यक्ष ,चौधरी जितेंद्र नाथ सिंह ,अध्यक्ष शासी निकाय, सी. एम. पी. महाविद्यालय एवं पूर्व मेयर, प्रयागराज ने अतिथियों का स्वागत किया। मुख्य अतिथि माननीय सांसद, फूलपुर, श्री प्रवीण पटेल जी ने पक्ष एवं विपक्ष के भूमिका पर प्रकाश डाला और अपने संसदीय अनुभव को साझा करते हुए जनता के प्रति अपनी



संभाला। सदन की अध्यक्षता कर रहे रस्पीकरश् ने भी अनुशासन बनाए रखने और सभी को समान अवसर देने में अद्भुत नेतृत्व क्षमता का परिचय दिया। कार्यक्रम के अंत में विशिष्ट अतिथि प्रो. पंकज कुमार ने संसद की कार्य प्रणाली को रेखांकित किया एवं उसे लोकतंत्र की आत्मा कहा। ग्रुप कोऑर्डिनेटर युवा संसद प्रो. के. वेंकटेशन ने कार्यक्रम के उद्देश्य एवं प्रक्रिया को रखा तथा अपने सुझाव से विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। प्राचार्य प्रो. अजय प्रकाश खरे ने कहा कि इस तरह के आयोजन युवाओं को भविष्य का एक जिम्मेदार नागरिक और कुशल नेतृत्वकर्ता बनाने में मील का पथर साबित होते हैं। मंच संचालन डॉ. अनु श्री ने एवं कार्यक्रम संयोजिका रितु रघुवंशी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम के अंत में निर्णायकों ने सभी प्रतिभागियों के संवाद कौशल, आत्मविश्वास और संसदीय नियमों के पालन की जमकर सराहना की। सराहनीय प्रदर्शन करने वाले छात्र–छात्राओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। राष्ट्रगान के साथ युवा संसद प्रेरणादायक सत्र का समापन हुआ।

ईसीसी में सेवानिवृत्त शिक्षिका प्रोफेसर शारदा सुंदरम का भव्य विदाई समारोह

प्रयागराज। इङ्गिफ क्रिश्चियन महाविद्यालय में रसायन शास्त्र विभाग की सेवा निवृत्त शिक्षक प्रोफेसर शारदा सुंदरम संजय का भव्य विदाई समारोह महाविद्यालय के शिक्षक संघ और महाविद्यालय प्रबंधन तंत्र की ओर से आयोजित किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य



प्रोफेसर अरुण मोजेज, कॉलेज इकाई शिक्षक संघ के अध्यक्ष प्रोफेसर थॉमस अब्राहम और रसायन शास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो विवेक भदौरिया सहित रसायन विज्ञान विभाग के सभी शिक्षकों ने प्रशस्ति पत्र, प्रतीक चिन्ह एवं अंग वस्त्रम प्रदान कर प्रो शारदा सुंदरम को सम्मानित किया। प्राचार्य प्रोफेसर स मोदी जी ने सभी का स्वागत किया और डॉक्टर शारदा को एक उत्कृष्ट शिक्षक और छात्रों के लिए मार्गदर्शक बताया। प्रोफेसर सुंदरम ने महाविद्यालय में अपने सेवा के लंबे काल खंड का जिक्र करते हुए अपने कई वरिष्ठों और कनिष्क शिक्षक साथियों को याद किया और कहा कि इस महाविद्यालय ने उन्हें बहुत सिखाया है और दिया है। कार्यक्रम में डॉं शिखी सहाय, डॉं एडीएम डेविड, प्रो जरिस्टन मसीह, प्रो आशुतोष शुक्ला सहित अनेक शिक्षकों ने प्रो शारदा के साथ बिताए हुए दिनों को याद करते हुए उनके व्यक्तित्व के विभिन्न पहलुओं को उजागर किया। शिक्षक संघ के अध्यक्ष प्रोफेसर थॉमस अब्राहम ने आभार ज्ञापन किया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक इकाई के महासचिव डॉं प्रेम प्रकाश सिंह ने किया। कार्यक्रम में डॉं पीयूष खरे, डॉं अंजनी कुमार सिंह, प्रो विवेक कुमार निगम, प्रो विद्यापति, डॉं विक्कम मुसुरान , संजय श्रीवास्तव, प्रो ज्योतिर्का रॉय, प्रो विनीता जानन, प्रो उमेश प्रताप सिंह, डॉं संजय मसीह, प्रो संजय मिश्रा सहित महाविद्यालय परिवार के सभी शिक्षक शिक्षिकाएं कार्यक्रम में उपस्थित थीं।

इलाहाबाद विवि की असिस्टेंट प्रोफेसर का मोबाइल नंबर हैक , 400 लोगों से मांगे रुपये, प्राथमिकी दर्ज

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. रितु मोदी

का मोबाइल नंबर हैक कर उनके नाम और फोटो का इस्तेमाल करते हुए फर्जी व्हाट्सएप अकाउंट बनाने का मामला सामने आया है।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. रितु मोदी का मोबाइल नंबर हैक कर उनके नाम और फोटो का इस्तेमाल करते हुए फर्जी

व्हाट्सएप अकाउंट बनाने का मामला सामने आया है। साइबर ठग ने इस अकाउंट के जरिये इविवि के शिक्षकों, कर्मचारियों, छात्रों और अन्य परिचितों समेत करीब 300 से 400 लोगों को

संदेश भेजकर रुपये मांगे। अब तक दो लोगों से रकम हासिल किए जाने की जानकारी है।



कर्नलगंज पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। डॉ. रितु मोदी मनोविज्ञान विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं। उनके मुताबिक, 28 सितंबर को उनका

मोबाइल नंबर हैक किया गया। इसके बाद जालसाज ने उनकी पहचान का इस्तेमाल कर अलग



व्हाट्सएप अकाउंट तैयार किया और परिचितों को मैसेज भेजने शुरू कर दिए। मैसेज में अलग–अलग कारण बताते हुए पैसों की मांग की गई। कुछ लोगों ने इसे शिक्षिका का मैसेज

समझकर रकम भी भेज दी। मामले की जानकारी होने पर उन्होंने पुलिस से शिकायत की।

तहरीर के साथ फर्जी अकाउंट से भेजे गए संदेशों की प्रतियां भी साक्ष्य के तौर पर उपलब्ध कराई गई हैं। शिक्षिका का कहना है कि अभी तक उनकी जानकारी में दो लोगों से उनके नाम पर भुगतान कराया जा चुका है। कर्नलगंज थाना प्रभारी ज्ञानेश्वर मिश्रा ने बताया कि प्रकरण की जांच की जा रही है। रकम

भेजने वाले खातों, व्हाट्सएप अकाउंट और मैसेज की जानकारी जुटाई जा रही है। इसके आधार पर जालसाज की पहचान कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

इलाहाबाद हाईकोर्ट: आरोपी पर आत्मसमर्पण का दबाव बनाने के लिए परिजनों को हिसात में रखना गैरकानूनी

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि आरोपी पर आत्मसमर्पण का दबाव बनाने के लिए परिजनों को



हिसात में रखना गैरकानूनी है। यह टिप्पणी न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन और न्यायमूर्ति दिवेश चंद्र सामंत की खंडपीठ ने जौनपुर निवासी अरविंद यादव की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका स्वीकार करते हुए की।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि आरोपी पर आत्मसमर्पण का

चंद्र सामंत की खंडपीठ ने जौनपुर निवासी अरविंद यादव की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका स्वीकार करते हुए की। कोर्ट ने याची को अवैध हिरासत में रखने पर सरकार पर 40 हजार रुपये का हर्जाना लगाया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि इस राशि की वसूली जॉर्जटाउन थाने

मुकदमा दर्ज था। उसे अग्रिम जमानत मिल चुकी है। याची ने दावा किया कि पुलिस उसे 23 जून को जौनपुर स्थित घर से उठाकर जॉर्जटाउन थाने ले आई। इसके बाद 26 जून की शाम करीब सात बजे छोड़ा। पुलिस उसके भाई पर आत्मसमर्पण का दबाव बनाने

थाने से सीसीटीवी फुटेज गायब मिला तो पुलिस के खिलाफ अवैध हिसात का आरोप सच माना जाएगा

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पुलिस हिरासत और थानों में लगे सीसीटीवी कैमरों की स्थिति पर कड़ा फैसला सुनाया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पुलिस हिरासत और थानों में लगे सीसीटीवी कैमरों की स्थिति पर कड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि

थाने से सीसीटीवी फुटेज गायब रहता है या जानबूझकर बंद रखा जाता है और पुलिस किसी व्यक्ति को पूछताछ के बाद रिहा करने का कोई पुख्ता दस्तावेज या सबूत पेश नहीं कर पाती है तो अदालत

याचिकाकर्ता की ओर से लगाए गए अवैध हिरासत के आरोपों को ही सच और अंतिम मानकर आदेश जारी करेगी।

यह आदेश न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन और न्यायमूर्ति दिवेश चंद्र सामंत की खंडपीठ ने दिया है। देवरिया निवासी महेंद्र गौर और तीन अन्य याचियों ने गौरी बाजार थाने में पुलिस की ओर से गैर–कानूनी तरीके से बंद

रखने के खिलाफ बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर की थी। याचियों का आरोप था कि पुलिस ने उन्हें बिना किसी एफआईआर, गिरफ्तारी या मजिस्ट्रेट के सामने पेश किए



कई दिनों तक अवैध हिरासत में रखा।

सुनवाई के दौरान जब थाने का सीसीटीवी रिकॉर्ड मांगा गया तो वह कई दिनों का गायब मिला। तत्कालीन थाना प्रभारी ने कैमरे खराब होने और मैकेनिक से ठीक कराने की बात कही, लेकिन जनरल डायरी में इसका कोई उल्लेख नहीं था और न ही कोई

तकनीकी रिपोर्ट पेश की गई। हाईकोर्ट ने सर्वोच्च न्यायालय के परमवीर सिंह सैनी मामले का हवाला दिया। कहा कि थानों में सीसीटीवी कैमरों का 24 घंटे चालू रहना अनिवार्य है। यदि



कई दिनों तक अवैध हिरासत में रखा। सुनवाई के दौरान जब थाने का सीसीटीवी रिकॉर्ड मांगा गया तो वह कई दिनों का गायब मिला। तत्कालीन थाना प्रभारी ने कैमरे खराब होने और मैकेनिक से ठीक कराने की बात कही, लेकिन जनरल डायरी में इसका कोई उल्लेख नहीं था और न ही कोई

कोर्ट याचियों के दावों को

एससी/एसटी के मामले में 27 साल चली कानूनी लड़ाई, सभी आरोपी बरी

प्रयागराज। जिला न्यायालय ने एससी/एसटी एक्ट सहित अन्य मामलों में 27 साल तक चली कानूनी लड़ाई के बाद सभी आरोपियों को बरी कर दिया है, लेकिन फैसला आने से पहले एक आरोपी गुड्डू उर्फ रामनरेश दम तोड़ चुका था। जिला न्यायालय ने एससी/एसटी एक्ट सहित अन्य मामलों में 27 साल तक चली कानूनी लड़ाई के बाद सभी आरोपियों को बरी कर दिया है, लेकिन फैसला आने से पहले एक आरोपी गुड्डू उर्फ रामनरेश दम तोड़ चुका था। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर निवासी वादी बेनीराम ने बहरिया थाने में जून 1999 को एससी/एसटी एक्ट सहित विभिन्न आरोप में एफआईआर दर्ज कराई थी। आरोप था कि ईंट भट्ठा मालिक और उसके साथियों ने 15 मजदूरों की मजदूरी रोकी, गालीगलौज की और बंधुआ मजदूर बनाकर काम कराया। मामले में फूलचंद्र, पप्पू, रामखेलालन और गुड्डू को आरोपी बनाया गया था।अपर सत्र न्यायाधीश परवेज अख्तर की अदालत ने पाया कि आरोप तथ होने के बाद 17 साल से ज्यादा समय बीतने के बावजूद अभियोजन पक्ष एक भी गवाह पेश नहीं कर सका।

की कोशिश कर रही थी।

सुनवाई के दौरान विवेचक अश्वनी सविता ने बताया कि एसएचओ योगेंद्र कुमार सिंह के निर्देश पर अरविंद के घर गया था। उसे मामले में पूछताछ के लिए थाने लाया गया था। कोर्ट ने मोबाइल कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) की भी जांच की। रिकॉर्ड के मुताबिक 23 जून की सुबह याची की लोकेशन जौनपुर से प्रयागराज में मिली। दोपहर करीब 12 बजे उसका मोबाइल बंद हो गया। 27 जून की सुबह जौनपुर में ही दोबारा चालू हुआ। इसके अलावा सीसीटीवी फुटेज से भी 23 से 25 जून तक उसकी थाने में मौजूदगी की पुष्टि हुई। कोर्ट ने कहा कि इन साक्ष्यों और सुपुर्दगी–नामा से यह स्पष्ट है कि याची को कम से कम 23 से 26 जून तक चार दिन पुलिस की अवैध हिरासत में रखा गया।

महापौर ने मंदिर व पार्क के आसपास के क्षेत्र का किया निरीक्षण

प्रयागराज। आज उमेश चन्द्र गणेश केसरवानी महापौर द्वारा आगामी दिनों में आयोजित होने वाले दशहरा,दुर्गा पूजा, नवरात्रि के दृष्टिगत चौकी मार्ग व मंदिर व पार्क के आस पास का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय शादाब असलम, अपर नगर आयुक्त,दिनेश सचान मुख्य अभियन्ता,संजय कटियार मुख्य अभियन्ता विधुत,सतीश कुमार महाप्रबन्धक जलकल, अनिल मोर्या, अजीत कुमार, अधिशाषी अभियन्ता, सहायक अभियन्ता जलकल, अरविन्द यादव जोनल सेनेटरी आफिसर, अवर अभियन्ता, सौरभ



यादव जोनल अधिकारी, नीरज टंडन पार्श्व द पूर्व पार्श्व गिरी बाबा, राम जी केसरवानी तथा कमेटी के सदस्यगण उपस्थित रहे। सर्वप्रथम कमेटी के सदस्यों द्वारा अवगत कराया गया कि पजावा राम लीला मैदान के चारो ओर तथा कल्याणी देवी से कल्यागढ़ होते हुये पजावा तक व सम्पूर्ण चढ़ढा रोड व ठठेरी बाजार से शाहगंज से घंटा घर व जानसेनगंज से घटाघर होते हुये भारती भवन ढाल व शीशमहल से हटिया चौराहा तक तथा अन्य चौकी मार्ग अतिवर्षा के कारण क्षतिग्रस्त है जिस कारण आवागमन व चौकियों के आवागमन में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा। जिसे मेला से पूर्व ठीक कराने तथा अन्य व्यवस्था जैसे अस्थायी प्रकाश व्यवस्था,शुद्धपेयजल की आपूर्ति, शौचालय,पेड़ा की छटाई आदि पूर्व की भांति कराने का अनुरोध किया गया। इसके अतिरिक्त पजावा रामलीला पार्क की क्षतिग्रस्त बाउन्ड्री का निर्माण व रंगाई पुताई के निर्देश मुख्य अभियन्ता को दिये गये। भ्रमण के दौरान पाया गया कि चढ़ढा रोड पर स्थित दोनों तरफ की नालियाँ सिल्ट से भरी पायी गयी तथा नालियों की गोट पूरी तरह से ध्वस्त पायी गयी। इसके अतिरिक्त अनसुईया मंदिर के पास की नाली काफी सिल्ट से भरी तथा अतिक्रमण युक्त पायी गयी।

स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा–2026:

उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय में ‘एक घंटा, एक दिन, एक साथ’ के अंतर्गत श्रमदान अभियान

प्रयागराज। स्वच्छता के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी और सहभागिता की भावना को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय, सूबेदारगंज में महाप्रबंधक श्री नरेश पाल सिंह के निर्देशानुसार ‘स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा–2026’ के अंतर्गत ‘एक घंटा, एक दिन, एक साथ’ अभियान के तहत वृहद श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान मुख्यालय परिसर में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने एकजुट होकर श्रमदान किया और



स्वच्छता का संदेश दिया। अपर महाप्रबंधक श्री राजकुमार वानखेडे ने कार्यक्रम में सहभागिता करते हुए स्वच्छता अभियान का नेतृत्व किया। इस अवसर पर प्रधान मुख्य यांत्रिक इंजीनियर श्री अनिल कुमार द्विवेदी सहित अन्य प्रधान विभागाध्यक्षों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने श्रमदान में उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

श्रमदान के दौरान मुख्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया तथा कुल 250 किलोग्राम कचरा एकत्रित किया गया, जिसका निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार उचित निस्तारण किया गया। इस अवसर पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता के प्रति सजग रहने तथा अपने कार्यस्थल एवं आसपास के परिसर को स्वच्छ बनाए रखने के लिए जागरूक किया गया।

अपर महाप्रबंधक श्री राजकुमार वानखेडे ने स्वच्छता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्वच्छता केवल किसी एक अभियान तक सीमित विषय नहीं है, बल्कि इसे दैनिक कार्यप्रणाली एवं व्यवहार का हिस्सा बनाया जाना आवश्यक है। सामूहिक सहभागिता के माध्यम से स्वच्छ एवं स्वस्थ कार्य वातावरण के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि उत्तर मध्य रेलवे में 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर 2026 तक ‘स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा–2026’ का आयोजन किया जा रहा है। पखवाड़े के अंतर्गत उत्तर मध्य रेलवे के सभी मंडलों, कारखानों, इकाइयों एवं कार्यालयों में स्वच्छता से संबंधित विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। ‘एक घंटा, एक दिन, एक साथ’ अभियान सामूहिक सहभागिता के माध्यम से स्वच्छता के प्रति जागरूकता को व्यापक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उत्तर मध्य रेलवे द्वारा स्वच्छ, स्वस्थ एवं पर्यावरण–अनुकूल कार्यस्थल के निर्माण के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। कार्यक्रम का आयोजन मुख्य पर्यावरण एवं हाउसकीपिंग प्रबंधक के समन्वयन में पर्यावरण अनुभाग द्वारा किया गया।

रामभद्राचार्य की बढ़ सकती हैं मुश्किलें, ब्राह्मणों के खिलाफ दिए गए बयान पर कोर्ट ने जारी किया नोटिस

प्रयागराज। कथावाचक संत और चित्रकूट तुलसी पीठाधीश्वर जगद्गुरु रामभद्राचार्य की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। ब्राह्मण समाज की उपजातियों को लेकर दिए गए एक विवादित बयान पर कानूनी शिकंजा कस सकता है। कथावाचक संत और चित्रकूट तुलसी पीठाधीश्वर जगद्गुरु रामभद्राचार्य की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। ब्राह्मण समाज की उपजातियों को लेकर दिए गए एक विवादित बयान पर कानूनी शिकंजा कस सकता है। इस मामले में प्रयागराज की एसीजेएम कोर्ट ने उनके खिलाफ नोटिस जारी करने का आदेश दिया है। इस विवाद की शुरुआत तब हुई जब जगद्गुरु रामभद्राचार्य का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ। इस वीडियो में उन्होंने ब्राह्मण समाज के भीतर आने वाली कुछ उपजातियों–जैसे उपाध्याय, पाठक, चौबे, त्रिगुणायक और दीक्षित को लेकर एक टिप्पणी की थी। उन्होंने अपने बयान में कहा था कि ब्राह्मण समाज इन उपजातियों में अपनी बेटियों की शादियां नहीं करता है।

शास्त्री जयंती की पूर्व संध्या पर हुई प्रतिमा की सफाई

प्रयागराज। देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्व. ‘लाल बहादुर शास्त्री की जयंती’ 2अक्टूबर की ‘पूर्व संध्या’ पर शहर के मेडिकल चौराहे स्थित शास्त्री जी की प्रतिमा की साफ –सफाई की गई।

कायस्थ समाज के युवा नेता, के पी ट्रस्ट के उपाध्यक्ष, सपा अधिवक्ता सभा के प्रदेश सचिव शौर्य ‘दीप सचिन श्रीवास्तव एडवोकेट’ ने आज प्रतिमा को गंगाजल से धोया एवं साफ—सफाई कर 2 अक्टूबर को जयंती मनाने की तैयारियां की। इस मौके पर ‘सचिन श्रीवास्तव’ ने कहा कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्व. शास्त्री जी ने जय जवान, जय किसान का नारा दिया था जो लोगों के लिए प्रेरणा श्रोत बना। उनकी सादगी पूर्ण विचारधारा, आदर्श जीवन शैली से युवाओं को प्रेरणा लेनी चाहिए।

श्रेष्ठ शिक्षक, श्रेष्ठ समाज का निर्माण करता है

प्रयागराज। बलराम ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस द्वारा संचालित सिटीजन वर्ल्स कॉलेज, बलराम नगर ,नैनी के बीएड पाठ्यक्रम में नव प्रवेशित छात्राओं हेतु अभिविन्यास कार्यक्रम में कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय की प्रबंधक श्रीमती उमा सिंह जी ने कहा कि यह महाविद्यालय हमारी नींव है और नव प्रवेशित प्रशिक्षुओं को सम्पूर्ण मनोयोग से आगे बढ़ने हेतु प्रेरित किया। इस कार्यक्रम का प्रारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्ज्वलन और माल्यार्पण एवं नव प्रवेशित प्रशिक्षुओं का टीका लगाकर और वेलकम किट देकर स्वागत किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए इलाहाबाद विश्वविद्यालय, शिक्षाशात्र



विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सरोज यादव ने बी.एड.पाठ्यक्रम की विस्तृत व्याख्या करते हुए बताया कि शिक्षक केवल जानकारी ही नहीं प्रदान करता वरन् वह पथ— प्रदर्शक ,सच्चा सलाहकार एवं प्रेरणा का स्रोत होता है।वे शिक्षाशास्त्रीय समस्त विषयों का सह—सम्बंध बताते हुए शिक्षक जीवन में इसका सदुपयोग बताया तथा प्रत्येक प्रशिक्षु को राष्ट्र विकास में योगदान हेतु प्रेरित किया। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉक्टर मधुलिका सिंह ने स्वागत करते हुए कहा कि प्रशिक्षुओं के लिए यह कार्यक्रम उनके पाठ्यक्रम को समझने और सीखने में सहायक होगा। बी.एड. विभागाध्यक्ष डॉ. उमा लता पटेल ने पाठ्यक्रम तथा शिक्षक परिचय कराया। प्राध्यापिका अंजना गौड़ ने बी.एड.पाठ्यक्रम की उपयोगिता बताया तथा प्राध्यापिका अंजली सैमुअल ने महाविद्यालय अनुशासन एवं नियम बताया। प्राध्यापिका डॉ अंजुला तिवारी ने अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन किया और कहा कि ऐसे बौद्धिक अतिथि हमें प्रोत्साहित करते हैं। कार्यक्रम का संचालन बी.एड. तृतीय सेमेस्टर की प्रशिक्षु सलोनी राय ने किया। श्री सचिन श्रीवास्तव जी ने पुस्तकालय का परिचय छात्राओं के बीच दिया, साथ में छात्राओं ने साइंस लैब कंप्यूटर लैब का भ्रमण किया। तत्पश्चात् नव प्रवेशित प्रशिक्षुओं में प्रोत्साहन हेतु विजय काम्पटिशन, कुर्सी दौड़, गायन –नृत्य प्रतियोगिता, रैंप वाक कराया गया तथा प्रशिक्षुओं को पुरस्कृत किया गया।अभिविन्यास कार्यक्रम एवं स्वागत समारोह को सफल बनाने में बी.एड. तृतीय सेमेस्टर की शिवानी पटेल, दिव्यांशी निशाद, निधि निशाद, तनिष्का मिश्रा आदि प्रशिक्षुओं का सराहनीय योगदान रहा।

राजभाषा विभाग लामडिंग द्वारा रेल कवि सम्मेलन आयोजित

विश्वनाथ। राजभाषा विभाग, लामडिंग द्वारा दिनांक 30 सितम्बर 2026 को लामडिंग रेल मंडल मुख्यालय में एक शानदार कवि सम्मेलन आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के विभिन्न मंडलों और विभागों से आए रेल के कवियों ने अपनी काव्यमय प्रस्तुति से वहां उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों की वाहवाही बटोरी। कार्यक्रम की शुक्रता मंडल रेल प्रबंधक श्री समीर लोहानी द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर की गई। इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री मिलन कुमार सिंह, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी एवं उप मुख्य राजभाषा अधिकारी श्रीमती गरिमा चौधरी, राजभाषा अधिकारी नव कुमार राय एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।



वहां बड़ी संख्या में रेल कर्मचारी भी इन कवियों को सुनने के लिए पधारे थे। लामडिंग राजभाषा विभाग के श्री राजकुमार चौहान के अथक प्रयास और संयोजन में यह कार्यक्रम पूर्णतया सफल रही। जिसकी प्रशंसा वहां उपस्थित अधिकारियों और कवियों ने मुक्तकंठ से किया। इनका साथ इनके ही विभाग के बिजोया सिंहा ने दिया। मंच–संचालन का जिम्मा कवि श्री सुधीर कुमार मेहता, वरिष्ठ सहायक लोको पायलट श्री अमोद कुमार, सिमुलेटर प्रशिक्षक श्री अमित कुमार, रेल कवि श्री पंकज कुमार सिंह, लोको पायलट श्री विनय कुमार, वरिष्ठ टिकट लिपिक श्री पार्थजीत कलिता और ट्रैक मेंटेनर श्री जितेंद्र शर्मा शामिल थे। इन सभी कवियों को लामडिंग के अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री मिलन कुमार सिंह ने असमिया गमछा पहनाकर पारंपरिक स्वागत किया। इसके पश्चात सभी कवियों ने बारी–बारी से अपनी काव्यमय प्रस्तुति द्वारा वहां उपस्थित दर्शकों का मनोरंजन किया और रेल के सशक्त रचनाकार के रूप में अपनी छाप छोड़ी।

कोर में स्वच्छता शपथ एवं स्वच्छता श्रमदान का आयोजन

प्रयागराज। केन्द्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन (कोर), प्रयागराज में स्वच्छता के प्रति जागरूकता, सहभागिता एवं जनभागीदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ‘स्वच्छता ही सेवा—2026’ अभियान का आयोजन दिनांक 17/09/2026 से निरंतर किया जा रहा है। इसी क्रम में आज दिनांक 01/10/2026 को कोर परिसर में विभिन्न स्वच्छता एवं जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के दौरान महाप्रबंधक/कोर श्री अशोक कुमार वर्मा ने संगठन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर सभी ने अपने कार्यस्थल, आसपास के परिसर तथा सार्वजनिक स्थानों को स्वच्छ रखने, स्वच्छता के प्रति सजग रहने तथा स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण के निर्माण में सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया। इस दौरान महाप्रबंधक महोदय ने कार्यालय में कार्यरत सविदा सफाई मित्रों को स्वच्छता किट भी प्रदान किया।

इसके उपरांत ‘एक दिन, एक घंटा, एक साथ’ श्रमदान अभियान के अंतर्गत महाप्रबंधक

के नेतृत्व में कोर के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक स्वच्छता श्रमदान किया। सभी ने कार्यालय परिसर के विभिन्न स्थानों पर साफ—सफाई करते हुए स्वच्छता का संदेश दिया।



इस सामूहिक श्रमदान का उद्देश्य स्वच्छता को केवल एक अभियान तक सीमित न रखते हुए इसे दैनिक जीवन एवं कार्यसंस्कृति का अभिन्न हिस्सा बनाना है।

इसी क्रम में महाप्रबंधक श्री अशोक कुमार वर्मा की अध्यक्षता में कार्यालय सभागार में स्वच्छता जागरूकता बैठक का भी आयोजन किया गया। बैठक में स्वच्छता के महत्व, स्वच्छ कार्यस्थल के लाभ तथा स्वच्छता संबंधी गतिविधियों में अधिकारियों एवं कर्मचारियों की

सक्रिय भागीदारी पर बल दिया गया। महाप्रबंधक ने सभी से स्वच्छता को अपनी नियमित कार्य शैली का हिस्सा बनाने तथा अन्य लोगों को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक करने का



आह्वान किया।

स्वच्छता के संदेश को नई पीढ़ी तक पहुंचाने तथा कोर कर्मचारियों के बच्चों में स्वच्छता एवं पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता विकसित करने के उद्देश्य से ‘स्वच्छता ही सेवा—2026’ अभियान के अंतर्गत कोर मुख्यालय स्थित आरोही प्रेक्षागृह में ड्राइंग एवं पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता को बच्चों की आयु के अनुसार दो समूहों में

राजभाषा पखवाड़ा के मुख्य समारोह एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन

तो साहित्य एवं संस्कृति की राजधानी भी कहा जाता है। यह हम सबके लिए गौरव की बात है कि हमें ऐसी महान कर्मभूमि से जुड़ने का सुअवसर प्राप्त हुआ है। रचनाकारों के महान योगदान एवं यश के साक्षी इस साहित्यिक अंचल में कार्य करते हुए सभी अधिकारियों और कर्मचारियों का नैतिक दायित्व है कि हम पूरी कर्तव्यभावना के



साथ अपने सभी कार्यों में हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग करें। महाप्रबंधक श्री नरेश पाल सिंह ने सभी पुरस्कार विजेता अधिकारियों , कर्मचारियों और विभागों का बधाई दी।

इस अवसर पर मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्रधान मुख्य यांत्रिक इंजीनियर श्री अनिल कुमार द्विवेदी ने कहा कि हमारा देश विविध भाषाओं एवं बोलियों वाला विशाल देश है। इन सभी भाषाओं में हिंदी का संवैधानिक एवं राष्ट्रीय दृ ष्टि से विशिष्ट महत्व है। हिंदी देशकी सामासिक संस्कृति की

सम्मेलन जैसे आयोजनों और भारतीय भाषा आयोग की स्थापना से भाषाई सदभावना का नया दौर शुरू हुआ है।

उत्तर मध्य रेलवे में राजभाषा के प्रयोग—प्रसार के लिए किए जा रहे महत्वपूर्ण कार्यों का उल्लेख करते हुए मख्य राजभाषा अधिकारी श्री अनिल कुमार द्विवेदी ने बताया कि पूरे उत्तर मध्य रेलवे में कंप््यूटरों पर हिंदी में काम—काज बढ़ाने के लिए निरंतर हिंदी कार्यशालाएं, हिंदी कुंजीयन कार्यशालाएं, हिंदी के प्रख्यात साहित्यकारों की जयंती के अवसर पर संगोष्ठियाँ, साहित्यिक कार्यक्रम, महत्वपूर्ण अवसरों के उपलक्ष्य में काव्यपाठ एवं निबंध लेखन प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं तथा राजभाषा के प्रयोग—प्रसार के अवलोकन एवं समीक्षा के लिए राजभाषा प्रदर्शनी लगाई गई।

उन्होंने बताया कि हिंदी में उत्कृष्ट कार्य के लिए उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, प्रयागराज का चल वैजयंती का

विभाजित किया गया। प्रथम समूह में 06 से 10 वर्ष तथा द्वितीय समूह में 11 से 14 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में कुल 51 बच्चों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। बच्चों ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा के माध्यम से स्वच्छता, स्वच्छ पर्यावरण एवं स्वस्थ जीवन से जुड़े विभिन्न संदेशों को चित्रों के माध्यम से अभिव्यक्त किया। इस अवसर पर बच्चों में विशेष उत्साह एवं उमंग देखने को मिली। उनके द्वारा बनाए गए चित्रों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता, स्वच्छ परिवेश की आवश्यकता तथा ‘स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत’ की भावना को रचनात्मक रूप से प्रस्तुत किया गया।

कोर द्वारा आयोजित इन कार्यक्रमों का उद्देश्य अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों को स्वच्छता अभियान से जोड़ते हुए स्वच्छता को जन—जन की जिम्मेदारी एवं सामाजिक दायित्व के रूप में स्थापित करना है। सामूहिक सहभागिता एवं निरंतर प्रयासों के माध्यम से स्वच्छ, सुंदर एवं स्वस्थ कार्यस्थल के निर्माण की दिशा में कोर निरंतर प्रतिबद्ध है।

ब्रह्म कमल

(कुण्डलिया)

चमकीला इक फूल है, ‘ब्रह्म कमलर है नाम।

औषधीय गुण से भरा,लगता बहुत ललाम।

लगता बहुत ललाम, रूप सुन्दर आकर्षण।

हरि का बनकर वास, कराता हरि का दर्शन।

सुन लो कहें प्रदीप, रंग इसका सपनीला।

पंखुड़ियों में समा, बनाती हैं चमकीला।।

आठ इंच के व्यास का, है दुर्लभ जो फूल।

‘ब्रह्मकमलर कहते उसे, खिलता ऋतु अनुकूल।

खिलता ऋतु अनुकूल,रात खुलती पंखुड़ियाँ।

उदित हुआ ज्यों सूर्य, ले उड़ी इसको परियाँ।

सुन लो कहें प्रदीप,पर्वतों पर है रहते।

लाल गुलाबी श्वेत, फूल हैं आठ इंच के।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी

लूकरगंज, प्रयागराज

नेशनल चिल्ड्रेन साइंस कांग्रेस नोडल स्तर प्रतियोगिता – 2026

हमीदिया गर्ल्स इण्टर कालेज में आयोजित हुई बाल विज्ञान कांग्रेस नोडल स्तर प्रतियोगिता

प्रयागराज। बाल विज्ञान कांग्रेस नोडल स्तर प्रतियोगिता हमीदिया गर्ल्स इण्टर कालेज में आयोजित हुई। प्रतियोगिता में गौरी पाठशाला इण्टर कालेज, गौस मेमोरियल गर्ल्स इण्टर कालेज, महिला उद्योग इण्टर कालेज, महिला ग्राम इण्टर कालेज



तथा मजीदिया इस्लामिया इण्टर कालेज ने प्रतिभाग किया। विभिन्न कालेजों की छात्राओं द्वारा 20 प्रोजेक्ट प्रस्तुत किये गए। इनमें से 6 प्रोजेक्ट जूनियर वर्ग तथा 7 प्रोजेक्ट सीनियर वर्ग में जिला स्तर पर चयनित किए गए। कार्यक्रम की ईचार्ज साइंस टीचर शीरीन आसिफ के नेतृत्व एवं साइंस अध्यापिका नाजिश अनवर, बुशरा स्वालेह, खुशनूदा फारूकी, शबीना खातून एवं फरहा उस्मानी के सहयोग से कार्यक्रम किया गया। श्बाल विज्ञान कांग्रेस नोडल स्तर में मजीदिया इस्लामिया इण्टर कालेज की अध्यापिका राहिल फातिमा, बुशरा अजीज एवं किवदई गर्ल्स इण्टर कालेज की शमुप्ता इनाम एवं नगमा शमी ने निर्णायक मंडल में शामिल रहीं। कालेज की प्रधानाचार्या हमीदा बानों ने कालेज की अध्यापिकाओं और प्रतिभागी छात्राओं को सफलता के लिए बधाई दी एवं निर्णायक मंडल के सभी सदस्यों धन्यवाद किया।

सेवा संकल्प अभियान के सात दिवसीय शिविर का शुभारंभ

बलदेव। सेवा संकल्प अभियान के तहत विकासखंड बलदेव में सात दिवसीय शिविर का शुभारंभ हुआ। शिविर में स्वास्थ्य विभाग की ओर से आमजन का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। विभिन्न विभागों ने स्टॉल लगाकर सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और उपलब्ध सेवाओं की जानकारी दी।

खण्ड विकास अधिकारी नेहा रावत ने शिविर का निरीक्षण



करते हुए विभागीय स्टॉलों पर उपलब्ध सेवाओं की जानकारी ली। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष भाजपा अनिल चौधरी, मंडल अध्यक्ष नरेंद्र गोयल, मीडिया प्रभारी नारायण पाण्डेय, बाबलू सोनी, चेतन उपाध्याय समेत जनप्रतिनिधि व कार्यकर्ता मौजूद रहे। शिविर में एडीओ आरोडी प्रेम सिंह, एडीओ पंचायत मुकेश कुमार, अकाउंटेंट अब्दुल, एबीएसए गिरिज सिंह, एमओआईसी वीरेन्द्र सिसोदिया तथा ग्राम पंचायत सचिव उपस्थित रहे। ग्रामीणों को विभिन्न योजनाओं की पात्रता और आवेदन प्रक्रिया की जानकारी देने के साथ जरूरत के अनुसार मौके पर आवेदन भी कराए गए।

अधिकारियों ने बताया कि शिविर का उद्देश्य सरकारी योजनाओं और सेवाओं को आमजन तक पहुंचाना तथा उनकी समस्याओं का मौके पर यथासंभव समाधान और मार्गदर्शन उपलब्ध कराना है।

 उत्तर मध्य रेलवे
टैक्कर संख्या: 230-वि/कय/वि/प्रवयगज/ई टैक्कर/2026/696 दिनांक: 29.09.2026
ई-निविदा सूचना
वरिष्ठ मन्त्रल विद्युत अभियन्ता/कय/वि/उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के हिते एवं उनकी ओर से निम्न कार्य हेतु ई निविदा आमंत्रित की जाती है। विनम्र विवरण निम्न प्रकार है:-
निविदा सं : 230-कय/वि-कार्य टैक्क-1056-2026 कार्य अवधि: 12 महीना
कार्य का विवरण: प्रयागराज मंडल के असीखड स्टेशन पर फ्लोरोय नंबर 1 के विस्तार 25kv OHLE में संशोधन का कार्य।
अनुमानित लागत: ₹ 53,93,363.67 बिड सूचना राशि: ₹ 1,07,900.00
बोली प्रारम्भ: एक घंटे निविदा बन्द होने की तिथि तथा समय: 21.10.2026, 14.00 बजे
निविदा खुलने की तिथि तथा समय: 21.10.2026, 15.00 बजे
नोट:- 1. उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.iraps.gov.in पर निविदा खोलने के पश्चि से 21 दिन पहले से उपलब्ध होगा। 2. उपरोक्त निविदा में ई प्रिड के अस्था प्रिमी अन्य रूप में बिड सीकर नहीं की जायेगी। इन प्रपत्रन हेतु केवल से कायि किसे अपने आपसे डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणन के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत कराये। 3. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट से हेल्प टाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 2230/26(AK)
North central railways CPRMCR 2230/26(AK)

 उत्तर मध्य रेलवे
निविदा सूचना सं GEM/2026/B/0883256 दिनांक: 30.09.2026
ई-निविदा सूचना
मन्त्रल रेल प्रबन्धक/उपनिियर/उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के हिते एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्यो के हिते ई-निविदाओं प्रपत्र पर दिनांक 21.10.2026 तक आमंत्रित की जाती है। कार्यो का विवरण निम्न प्रकार है:-
जैम बिड सं.: GENA/2026B/B/0883256 दिनांक 30.09.2026 अनुमानित मूल्य (रु.) 41,07,600.00
कार्य का विवरण: साहयक मन्त्रल इंजीनियर पुनार के अन्तर्गत वरिष्ठ खण्ड इंजीनियर फुल एवं वरिष्ठ खण्ड इंजीनियर पुनार के लिख 9 टन क्षमता वाले 2 मी टन खनन की अमूर्ति का कार्य।
अंतिम धन राशि मूल्य (रु): 83,960 कार्य सम्पान की अंतिम: 24 मही
निविदा बन्द होने की तिथि: 21.10.2026
वास्तव मानकडे के अन्तर्गत विस्तार कार्य: सर्वई अन्क रोड डेवेलपमेन्त आन हाउसिंग बेसिन टू सेन्ट्रल/प्लेट गर्बमिटेड सेमी गर्बमिटेड बडीज आन्क सेन्ट्रल/प्लेट गर्बमिटेड एवं चिक्कत चिक्कत अन्वर टैकिंग आन्क सेन्ट्रल/प्लेट गर्बमिटेड
नोट:- 1. अननइन् निविदा बन्द होने से त्रिंति तक प्रस्तुत की जा सकता है। 2. अन्क ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित वेबसाइट www.gem.gov.in पर निविदा खोलने के पश्चि से 21 दिन पहले से उपलब्ध होगा।
North central railways CPRMCR 2230/26(AK)

 उत्तर मध्य रेलवे
टैक्कर संख्या: 230-वि/कय/वि/प्रवयगज/ई टैक्कर/2026/697 दिनांक: 29.09.2026
ई-निविदा सूचना
वरिष्ठ मन्त्रल विद्युत अभियन्ता/कय/वि/उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के हिते एवं उनकी ओर से निम्न कार्य हेतु ई निविदा आमंत्रित की जाती है। विनम्र विवरण निम्न प्रकार है:-
निविदा सं : 230-कय/वि-कार्य टैक्क-1056-2026
कार्य अवधि: 12 महीना बिड सूचना राशि: ₹ 0 1,61,700.00
बोली प्रारम्भ: एक घंटे
निविदा बन्द होने की तिथि तथा समय : 21.10.2026, 14:00 बजे
निविदा खुलने की तिथि तथा समय : 21.10.2026, 15:00 बजे
नोट - 1. उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.iraps.gov.in पर निविदा खोलने की तिथि से 21 दिन पहले से उपलब्ध होगा। 2. उपरोक्त निविदा में ई प्रिड के अस्था किसी अन्य रूप में बिड सीकर नहीं की जायेगी। इन प्रपत्रन हेतु केवल से कायि किसे अपने आपसे डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणन के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत कराये। 3. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट से हेल्प टाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 2231/26 (AK)
North central railways CPRMCR 2230/26 (AK)

सम्पादकीय.....

महिला सुरक्षा का संकट

यह हमारे लोकतंत्र की विडंबना है कि कार्यपालिका की लचर कार्यशैली के चलते गाहे–बगाहे न्यायालय को उन मामलों में हस्तक्षेप करना पड़ता है, जिनका दायित्व निभाना सरकारों का काम है। वैसे कहने को तो पूरे देश में महिलाओं व बच्चों की सुरक्षा के लिये तमाम कायदे–कानून बनाए गए हैं। लेकिन जब इन कानूनों व योजनाओं को हकीकत में अमलीजामा पहनाने की बात सामने आती है तो जवाबदेही का अंतर साफ नजर आता है। हाल के दिनों में दिल्ली व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में महिलाओं के साथ हुए दुष्कर्म के मामलों पर स्वतरु सञ्ज्ञान लेकर शीर्ष अदालत ने इस कड़वी हकीकत को उजागर कर दिया। इन मामलों में शीर्ष अदालत ने सिर्फ यही नहीं पूछा कि ये संगीन अपराध क्यों हुए, बल्कि यह भी जानना चाहा कि इन अपराधों को रोकने के लिये बनाया गया सिस्टम क्या हकीकत में कुछ काम करता है? कोर्ट का सवाल था कि क्या वास्तव में आपातकाल में मदद करने वाली हेल्पलाइन तुरंत जवाब देती है? क्या सीसीटीवी कैमरे पूरी मुस्तेदी के साथ काम कर रहे हैं? क्या महिलाओं के लिये असुरक्षित समझी जाने वाली जगहों को पहचान करके वहां पेट्रोलिंग की जाती है? क्या महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करने के लिये बने डेटाबेस, महिलाओं के लिये हेल्प डेस्क और जांच करने में मददगार ट्रैकिंग सिस्टम का कारगर तरीके से प्रयोग हो रहा है? शीर्ष अदालत का यह सवाल तार्किक है कि जब ये सिस्टम फेल हो जाता है तो विफलता के लिये किसी की जवाबदेही तय की जाती है? निस्संदेह, अदालत ने तंत्र की दुखती रग पर हाथ रखा है। सही मायने में ये सवाल हर किसी को परेशान करने वाले हैं। यह हकीकत है कि देश में नये–नये सुरक्षा कार्यक्रमों की घोषणा करने, पोर्टल, हेल्पलाइन और कमेटियां बनाने में तो कोई कोर–कसर नहीं छोड़ी जाती है, लेकिन सवाल यह है कि क्या किसी समस्या के निस्तारण के लिये कोई सिस्टम या मैकेनिज्म बना देना ही कर्तव्यों की इतिश्री मान लिया जाए? उल्लेखनीय है कि अक्सर आम लोगों द्वारा शिकायत की जाती रही है कि सुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील सड़कों पर स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था नहीं होती, सीसीटीवी कैमरे पूरी तरह से काम नहीं कर रहे होते हैं। वहीं दूसरी ओर इस बाबत की गई शिकायतें अक्सर फाइलों में उलझकर रह जाती हैं। कहने को ऐसे अपराधों को रोकने वाला सिस्टम फाइलों में तो दर्ज होता है, लेकिन जब वास्तव में किसी व्यक्ति को इसकी जरूरत होती है, तो यह हमेशा की तरह नदारद मिलता है। ऐसे में देश की शीर्ष अदालत द्वारा सुरक्षा उपायों के ऑडिट, व्यवस्था की कमजोरियों की पहचान, किसी घटना के होने पर प्रतिक्रिया देने के समय और कार्यक्षमता के मूल्यांकन पर जोर देना, एक स्वागत योग्य कदम ही कहा जायेगा। सही मायने में ऐसे मामलों में सिर्फ पुलिस को ही जिम्मेदार नहीं ठहराया जाना चाहिए। ऐसे में सड़कों में स्ट्रीट लाइट न होने पर म्युनिसिपल एजेंसियां, ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी, प्रशासक, तकनीक उपलब्ध कराने वाले विभाग और न्याय व्यवस्था आदि सभी सुरक्षा शृंखला का हिस्सा हैं। निर्विवाद रूप से किसी भी एक स्तर पर विफलता के गंभीर परिणाम सामने आ सकते हैं। दिल्ली के बहुचर्चित निर्भया प्रकरण के चौदह साल बाद मिला यह सबक स्पष्ट करता है कि कानून और योजनाएं तो बस शुरुआत मात्र हैं। असली कसौटी तो उनके लागू होने में है। इस आलोक में किसी पार्क में जाने, बस में चढ़ने या घर पैदल जाने वाली किसी महिला को इस बात पर आशंकित नहीं होना चाहिए कि किसी संकट की स्थिति में सुरक्षा के लिये बना सिस्टम काम करेगा भी या नहीं। निस्संदेह, किसी भी नागरिक को सुरक्षा प्रदान करना राज्य की जिम्मेदारी है। सही मायने में यही जवाबदेही ही उस जिम्मेदारी को हकीकत बनाती है। विश्वास किया जाना चाहिए कि सुप्रीम कोर्ट के सख्त निर्देश के बाद शासन–प्रशासन महिला सुरक्षा की गंभीर घिंता को संवेदनशील ढंग से महसूस करेंगे। तभी संकट के समय महिलाएं आश्वस्त हो सकेंगी कि सिस्टम उनकी मदद के लिये तुरंत प्रभाव से कार्रवाई करने के लिए आगे आएगा।

भारत की नजर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट पर

कल्याणी शंकर

भारत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी और अस्थायी, दोनों तरह की सीटों के लिए कोशिश कर रहा है। स्थायी सीट पाने के लिए संयुक्त राष्ट्र के ढांचे में बड़े बदलावों की जरूरत है, और ये बदलाव धीरे–धीरे हो रहे हैं। भारत को शैथिलिक दक्षिण और भारत–प्रशांत क्षेत्र में एक अहम आवाज के तौर पर देखा जाता है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर, जो अभी संयुक्त राष्ट्र की बैठक में शामिल होने के लिए न्यूयॉर्क में थे, ने इस साल अस्थायी सीट के लिए अभियान शुरु किया है। अगस्त 1950 में, अमेरिका ने अपने राजदूत के जरिए भारत को प्रस्ताव दिया था कि वह चीन की जगह भारत को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य बनाने पर विचार करे। कहा जाता है कि नेहरू ने इस सुझाव को ठुकरा दिया, जिससे भारत स्थायी सदस्यता पाने का मौका चूक गया। हालांकि, उस समय अंतरराष्ट्रीय हालात शीतयुद्ध के चरम पर थे। शायद उसकी जटिलताओं की वजह से उनका रुख सही रहा हो। नई दिल्ली अपनी विदेश नीति के लक्ष्यों के तहत पिछले 30 सालों से इस सीट के लिए कोशिश कर रही है। इन सालों में कई देशों ने भारत की दावेदारी का समर्थन किया है, क्योंकि वे भारत के बढ़ते प्रभाव, बड़ी आबादी और शांति बनाए रखने में उसके योगदान को मानते हैं। हालांकि, सुरक्षा परिषद के ढांचे को बदलना मुश्किल है क्योंकि इसके लिए मौजूदा पांच स्थायी सदस्यों—अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस और यूनाइटेड किंगडम— की आम सहमति की जरूरत है। अभी इस बात की कोई साफ समय–सीमा नहीं है कि भारत यह लक्ष्य कम हासिल करेगा या करेगा भी या नहीं। भारत का मानना है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का मौजूदा ढांचा अब आधुनिक हकीकत को नहीं दिखाता

अंतरराष्ट्रीय वृद्ध दिवस पर एक अंतरंग विमर्श: पारिवारिक विघटन, मूल्यबोध और वृद्धों का अस्तित्व

एक दिन की लेखनी से क्या सरेगा वजूद उनका, जिन्होंने उम्र भर सींचा है ममता की छांव में।

वो घर की छत हैं, वे केवल बुजुर्ग नहीं,

वे इतिहास हैं जीवित, इस ठंडी सी ठोंव में।

अंतरराष्ट्रीय वृद्ध दिवस केवल एक तारीख या वर्ष में आने वाली एक और औपचारिकता बनकर नहीं रह जाना चाहिए, जिसे अखबारों की सुर्खियां और सोशल मीडिया के स्टेटस तक सीमित कर दिया जाए। यह दिन तो अपनी अंतरात्मा में झोंकने और उस ऋण को याद करने का है, जो हमारे जीवन की नींव में ईंट की तरह गड़ा हुआ है। जरूरत इस बात की है कि हम उन्हें सिर्फ एक दिन का रश्ममानश या श्रदयाश का पात्र न समझें, बल्कि उन्हें वैसे ही सहेजे और समेटे रखें, जैसे उन्होंने हमारे बचपन की हर धूप और आँधी में हमें अपने अंतिम में सहेजा और समेटा था। वे हमारे घर की महज दीवारें नहीं, बल्कि इस परिवार की वह अटूट छत हैं, जिसके नीचे खड़े होकर हम बैक़ौफ़ जिंदगी के तमाम तूफ़ानों से लड़ते हैं।

रक्त से सींचा जिसे, उस वटवृक्ष की छांव को भूले, स्वार्थ के इस दौर में हम अपनों के ही घाव को भूले। यदि हम इतिहास के पन्नों को पलटकर देखें, तो हमारे समाज में संयुक्त परिवारों की एक महान और सुदृढ़ परंपरा रही है। वह दौर ऐसा था जहाँ घर का हर कोना बच्चों की किलकारियों, बड़ों के अनुशासन और बुजुर्गों की स्नेहिल छांव से महकता था। शाम ढलते ही चौपाल पर बुजुर्गों का बैठना, उनके जीवन के खट्टे–मीठे अनुभवों को साझा करना और छोटे–बच्चों को नैतिकता का

पाठ पढ़ाना हमारी संस्कृति की सबसे बड़ी ताकत हुआ करती थी। तब श्मेरा घरश जैसी कोई संकीर्ण दीवारें नहीं थीं, बल्कि पूरा गाँव और पूरा परिवार श्हेमारा घरश की भावना से ओतप्रोत था। बुजुर्ग उस समाज के जीवंत स्तंभ थे, जिनकी एक सलाह से बड़े–बड़े विवाद सुलझ जाते थे और जिनके साए में हर पीढ़ी सुरक्षित महसूस करती थी। किंतु वर्तमान महानगरों के परिप्रेक्ष्य पर जब हम अपनी दृष्टि डालते हैं, तो यहाँ रिश्तों की एक बेहद विडंबनापूर्ण, यांत्रिक और कराहती हुई तस्वीर उभरकर सामने आती है। आज के इस अति–महत्वाकांक्षी कॉर्पोरेट युग में, जहाँ पति और पत्नी दोनों ही सुबह से शाम तक मल्टीनेशनल कंपनियों और दपतरों की अंधी दौड़ में व्यस्त रहते हैं, वहाँ जीवन एक निर्जीव घड़ी बनकर रह गया है। आधुनिक महानगरों के इस स्वार्थी और कंक्रीट ताने–बाने में अब अचानक से घरों में बुजुर्गों की श्वापसीश का एक नया और अजीब दौर शुरु हुआ हैक़िकितु यह वापसी किसी प्रेम, सत्कार या नैतिक कर्तव्य के कारण नहीं, बल्कि घोर स्वार्थ, आर्थिक विवशता और प्रबंधकीय मजबूरी की उपज है।

आज के इन महानगरवासी आधुनिक युगलों को अपने नन्हे बच्चों की परवरिश करने, उनके स्कूल आने–जाने और इस विशाल पलैट की देखरेख संभालने के लिए किसी बेहद भरोसेमंद साये की शिद्दत से जरूरत महसूस होती है। महानगरों के इस अजनबी माहौल में नौकरों, आया या डे–केयर सेंटरस पर पूरी तरह आँख मूंदकर भरोसा करना जहाँ एक ओर बच्चों की सुरक्षा के लिहाज से डरावना प्रतीत होता है, वहीं उनका भारी–भरकम वेतन जेब पर भी भारी पड़ता

है। इस आर्थिक गणना और घरेलू प्रबंध की स्वार्थी गणित के चलते आज मेट्रो सिटीज के आधुनिक घरों में अचानक से बुजुर्गों को पुनः स्थान मिलने लगा है।

तलाशती है निगाहें जिन्हें चौखट पर रोज सुबह,

उन्हें बिसरा दिया हमने चंद सिक्कों के लोभ में आज।

किंतु इस तथाकथित वापसी के पीछे एक अत्यंत दुखद, क्रूर और हृदयविदारक सच्चाई यह है कि आज भी बुजुर्गों को प्रेम देने के लिए नहीं, बल्कि उन्हें एक श्उपयोगी साधनश या श्धरेलू सहायकश के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। विशेषकर इस महानगर संस्कृति में माँ की तो थोड़ी पूछ–परख इसलिए बच जाती है क्योंकि वह रसोई संभालने, बच्चों को संभालने, उनके टिफिन पैक करने और घर के अनगिनत झंझटों को सहेजने के काम आ सकती हैं, लेकिन पिता को अक्सर इस उपयोगिता के दायरे से बाहर मानकर एकाकीपन के अंधकार में धकेल दिया जाता है। सोचिए, उस पिता पर क्या बीतती होगी जिसने अपनी पूरी जवानी, अपनी उम्र का एक–एक कतरा अपने बच्चों के भविष्य को सींचने में होम कर दिया, और आज ढलती उम्र में उसे केवल इसलिए उपेक्षित कर दिया जाता है कि वह रसोई का विकल्प या बच्चों की आया नहीं बन सकता! यह आज के आधुनिक समाज का वह स्याह सच है जहाँ रिश्तों को भी बाजार की उपयोगिता और नफ़े–नुकसान के तराजू पर तौला जाने लगा है, जबकि सत्य यह है कि उन्होंने जीवनभर हमारे लिए अपना सबकुछ न्योछावर किया था, न कि इसलिए कि हम बुढ़ापे में उन्हें केवल एक घरेलू कामगार की शक्ल में अपने पास रखें।

वर्तमान समय में गांधी जी की प्रासंगिकता

सोशल मीडिया और डिजिटल मंचों पर विचारों का तीव्र आदान–प्रदान होता है। ऐसे में कई बार असत्य सूचना और उत्तेजनापूर्ण संदेश भी फैल जाते हैं। इस संदर्भ में गांधी जी का संदेश प्रासंगिक हो जाता है कि विरोध तथ्यों पर आधारित हो, भाषा संयमित हो और उद्देश्य समाधान हो। सत्याग्रह का मूल भाव यही है कि अपने मत पर दृढ़ रहो, पर दूसरे के प्रति द्वेष मत रखो।

अमेरिका में मार्टिन लूथर किंग और दक्षिण अफ्रीका में नेल्सन मंडेला ने गांधी जी के अहिंसक प्रतिरोध से प्रेरणा ली। यह इस विचार की सार्वभौमिक स्वीकृति को दर्शाता है।

स्वदेशी, आत्मनिर्भरता और स्थानीय अर्थव्यवस्था को लेकर गांधी जी का स्पष्ट दृष्टिकोण था।गांधी जी के चरखे को केवल एक प्रतीक के रूप में नहीं समझा जाना चाहिए। उसके पीछे स्थानीय उत्पादन, रोजगार और आत्मसम्मान का अर्थशास्त्र था। स्वदेशी का अर्थ था अपने गांव और अपने कारीगर पर विश्वास करना। आज श्वात्मनिर्भर भारतश और श्चोकल फॉर लोकलश जैसे अभियानों में इसी भावना को देखा जा सकता है। स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहन, कारीगरों और बुनकरों के कौशल का सम्मान, तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था का सशक्तिकरण, ये सभी गांधी जी के विचारों के अनुरूप हैं। जब गांव समृद्ध होंगे, तो देश का विकास अधिक संतुलित और समावेशी होगा।

गांधी जी ने श्अप्रिग्रहश का सिद्धांत दिया, अर्थात आवश्यकता से अधिक संग्रह न करना और सादा जीवन अपनाना। आज पर्यावरण

मूरत पूजते हैं जिसकी मंदिर और आलय में रोज, घर के जीवित ईश्वर को हम बिसरा बैठे हैं आज।

भारतीय सनातन संस्कृति में माता–पिता को साक्षात भगवान या ईश्वर का रूप माना गया है। वेदों से लेकर उपनिषदों तक, श्मातु देवो भवःश और श्पितृ देवो भवःश का उद्घोष यही सिखाता है कि जो ईश्वर हमें प्रत्यक्ष रूप से दृष्टिगोचर होते हैं, वे हमारे माता–पिता ही हैं। लेकिन विडंबना देखिए कि आज की इस स्वार्थी और चकाचौंध भरी दुनिया में हम इन श्जीवित ईश्वरश को उनके जीते–जी तो उपेक्षा की धूल फांकने के लिए छोड़ देते हैं, और उनके प्राण त्यागने के बाद ढोंग का सहारा लेते हैं।

हम पितृपक्ष में उनकी तस्वीर पर फूलों की मालाएं चढ़ाते हैं, पंडितों को बुलाकर श्राद्ध करते हैं, और नदियों के तट पर जाकर उन्हें जल व पिंड दान करते हैं। क्या कभी हमने अपनी अंतरात्मा से यह सवाल पूछा है कि जीते–जी दवा, पानी और दो मीठे बोल के लिए तरसाए गए इन बुजुर्गों को मरणोपरांत अर्पित किया जाने वाला वह भोजन या जल क्या कभी तृप्ति दे पाता है? यदि उनके जीवित रहते हमने उनकी सेवा नहीं की, उनके झुर्रियों भरे माथे पर प्रेम का एक हाथ नहीं फेरा, तो हमारे ये सारे धार्मिक अनुष्ठान और तर्पण मात्र एक दिखावा बनकर रह जाते हैं। यदि वे जीते–जी हमारी देहरी पर तृप्त होकर मुस्कुरा दिए, तो समझ लीजिए कि असली पूजा वहीं संपन्न हो गई।

वृद्धों का साथ केवल किसी मजबूरी, स्वार्थ या सुविधा का मोहताज नहीं होना चाहिए, बल्कि उनके साथ रहना हमारे मानसिक सुकून और जीवन की अथाः थाह को पाने का

एकमात्र माध्यम है। जीवन के समंदर में जब चारों तरफ महत्वाकांक्षाओं, अवसाद और असफलताओं के तूफान उठते हैं, तब बुजुर्गों का अनुभव हमारे जीवन की वह मजबूत नाव बनता है जो हमें हर भंवर से सुरक्षित बाहर निकाल लेता है। उनके पास डिग्रियों वाला अहंकार भले न हो, किंतु जीवन के थपेड़ों से उपजा वह व्यावहारिक और अचूक अनुभव होता है, जो दुनिया के किसी भी बड़े विश्वविद्यालय में नहीं पढ़ाया जा सकता।

जब हम अपने बुजुर्गों को अपने पास रखते हैं, तो हमारे बच्चे मोबाइल, लैपटॉप और स्क्रीन की कृत्रिम तथा एकाकी दुनिया से निकलकर संवेदनाओं के वास्तविक धरातल पर उतरते हैं। वे दादा–दादी के सान्निध्य में धैर्य रखना, अपनों का आदर करना, छोटी–छोटी बातों में संतुष्ट रहना और संकट के समय टूटना नहीं बल्कि चट्टान की तरह डटे रहना सीखते हैं। बुजुर्गों के संस्कारों की वह अनमोल थाती बच्चों के कोमल चरित्र में ऐसे गहरे संवेदनशील, जिम्मेदार और बेहतर ईंसान बनाते हैं। इसके अतिरिक्त, बुजुर्गों की उपस्थिति मात्र से ही घर में एक अजीब सी आध्यात्मिक ऊर्जा और पारिवारिक श्शरकतश बनी रहती है। जिस घर में सुबह उठते ही किसी बुजुर्ग के पैर छूकर आशीर्वाद लेने का संस्कार जीवित हो, वहाँ का पूरा वातावरण सकारात्मकता और सुरक्षा से भर जाता है। वे हमारे परिवार के उस वटवृक्ष की तरह हैं, जिसकी ठंडी और घनी छांव में आने वाली हर आँधी स्वतः दम तोड़ देती है। उनके होने से हमें यह गहरा अहसास होता है कि हम इस दुनिया में अकेले नहीं हैं, बल्कि हमारे पीछे एक

ऐसा अटूट सुरक्षा कवच है जो हर परिस्थिति में हमारी ढाल बनकर खड़ा है।

अतः आज इस अंतरराष्ट्रीय वृद्ध दिवस पर हमें केवल औपचारिक भाषण देने, सेमिनार आयोजित करने या सोशल मीडिया पर स्टेटस साझा करने से बहुत ऊपर उठना होगा। हमें अपनी अंतरात्मा से यह तीखा और ईमानदार सवाल पूछना होगा कि क्या हम अपने माता–पिता को केवल अपनी सद्भावना और बच्चों को संभालने की मशीन बनाकर रखना चाहते हैं? हमें अपनी इस संकीर्ण, स्वार्थी और उपयोगितावादी सोच को हमेशा के लिए त्यागना होगा। हमें यह समझना होगा कि उन्होंने हमारे जीवन को संवारने और सजाने के लिए अपने तमाम सुखों की बलि दी थी, इसलिए अब हमारा यह परम नैतिक और मानवीय कर्तव्य बनता है कि हम उन्हें बिना किसी शर्त, बिना किसी स्वार्थ और असीम आदर–प्रेम के अपने आँगन की छांव दें।

मिट्टी से जुड़े जो लोग, उन्हें मर्म तुम्हारा याद रहे,

सांसों की इस सरगम में, उनका ही आशीर्वाद रहे।

आइए, इस पावन अवसर पर यह दृढ़ संकल्प लें कि हम अपने वृद्धजनों के झुर्रियों भरे, मेहनतकश हाथों को अपनी हथेलियों में पूरी गरिमा, निष्ठा और प्रेम के साथ धामेंगे। उन्हें यह विश्वास दिलाएंगे कि इस घर में, इस समाज में और हमारे दिलों में उनका स्थान सर्वोच्च है, क्योंकि इन बुजुर्गों के बिना हमारा और हमारे इस सुसंस्कृत आशियाने का कोई अस्तित्व ही शेष नहीं रहता।

डॉ संगीता बनाफर प्रदेश अध्यक्ष विश्व हिंदी परिषद

नई दिल्ली भारत छत्तीसगढ़ बिलासपुर

भी योजना या नीति का मूल्यांकन इस आधार पर किया जा सकता है कि वह समाज के सबसे वंचित वर्ग तक किननी पहुंचती है। सच्छत्ता, शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण से जुड़े अभियानों में जब अंतिम व्यक्ति को केंद्र में रखा जाता है, तो गांधी जी का यही विचार साकार होता है।

गांधी जी प्रौद्योगिकी और मानव कल्याण के समर्थक थे , मशीनों के विरोधी नहीं । वे ऐसी व्यवस्था के पक्षधर थे जिसमें प्रौद्योगिकी मनुष्य के रोजगार और कल्याण में सहायक हो। आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल सेवाओं और स्वचालन के विस्तार के साथ यह प्रश्न महत्वपूर्ण है कि प्रौद्योगिकी का लाभ समाज के व्यापक वर्गों तक कैसे पहुंचे।

डिजिटल इंडिया जैसे प्रयासों से सेवाओं की पहुंच गांवों तक बढ़ी है। ऐसे में गांधी जी का विचार स्मरण कराता है कि प्रौद्योगिकी सशक्तिकरण का साधन बने। साथ ही, अभिव्यक्ति के समय सत्य, संयम और उत्तरदायित्व का पालन भी आवश्यक है।

गांधी जी शिक्षा को केवल अक्षर ज्ञान नहीं मानते थे। वे बुनियादी शिक्षा के माध्यम से चरित्र, श्रम का सम्मान और आत्मनिर्भरता विकसित करना चाहते थे। आज कौशल विकास, व्यावसायिक शिक्षा और मूल्य आधारित शिक्षण पर जो दिया जा रहा है, वह इस दृष्टि से जुड़ा हुआ है। विद्यार्थियों में स्वावलंबन, सेवा भाव और पर्यावरण के प्रति जागरूकता विकसित करना गांधी जी के ही शैक्षिक विचारों का विस्तार है।

गांधी जी अतीत के केवल स्मृति पुरुष नहीं हैं। उनके विचार वर्तमान की चुनौतियों

के समाधान में सहायक हो सकते हैं। सत्य और अहिंसा से सामाजिक संवाद को मर्यादा मिलती है। स्वदेशी और अप्रिग्रह से संतुलित विकास और पर्यावरण संरक्षण को बल मिलता है। सर्वधर्म समभाव से सामाजिक एकता सुदृढ़ होती है और अंत्योदय से कल्याणकारी कार्यों को दिशा मिलती है।

गांधी बीते हुए कल नहीं, आने वाले कल की आवश्यकता हैं।आवश्यकता यह है कि उनके विचारों को दैनिक जीवन में अपनाया जाए। खादी अपनाना प्रतीकात्मक रूप से महत्वपूर्ण है, पर उससे भी महत्वपूर्ण है ईमानदारी, संयम और करुणा। यह प्रश्न महत्वपूर्ण है कि प्रौद्योगिकी का लाभ समाज के व्यापक वर्गों तक कैसे पहुंचे। डिजिटल इंडिया जैसे प्रयासों से सेवाओं की पहुंच गांवों तक बढ़ी है। ऐसे में गांधी जी का विचार स्मरण कराता है कि प्रौद्योगिकी सशक्तिकरण का साधन बने। साथ ही, अभिव्यक्ति के समय सत्य, संयम और उत्तरदायित्व का पालन भी आवश्यक है। अक्षर ज्ञान नहीं मानते थे। वे बुनियादी शिक्षा के माध्यम से चरित्र, श्रम का सम्मान और आत्मनिर्भरता विकसित करना चाहते थे। आज कौशल विकास, व्यावसायिक शिक्षा और मूल्य आधारित शिक्षण पर जो दिया जा रहा है, वह इस दृष्टि से जुड़ा हुआ है। विद्यार्थियों में स्वावलंबन, सेवा भाव और पर्यावरण के प्रति जागरूकता विकसित करना गांधी जी के ही शैक्षिक विचारों का विस्तार है।

—डॉ. अवनीश यादव
प्रांतीय शिक्षा सेवा संवर्ग
उत्तर प्रदेश





बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा और उनके पति जहीर इकबाल के फैंस के लिए एक बड़ी खुशखबरी सामने आई है। शादी के बंधन में बंधने के बाद यह जोड़ी पहली बार एक साथ बड़े परदे पर रोमांस करती नजर आएगी। गुरुवार, 1 अक्टूबर 2026 को मेकर्स ने उनकी आने वाली फिल्म शतू है मेरी किरण (जुन भं डमतप झपतंद) का पहला आधिकारिक पोस्टर जारी कर दिया है। आपको बता दें कि यह जोड़ी सबसे पहले साल 2022 में आई फिल्म श्डबल ग्स में एक साथ स्क्रीन शेयर करते दिखी थी। आने वाली फिल्म शतू है मेरी किरण 23 अक्टूबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म को एशोलॉन प्रोडक्शंस ने पाम स्टूडियोज़ और छव प्रोडक्शंस के साथ मिलकर प्रोड्यूस किया है।

‘तू है मेरी किरण’ के लिए सोनाक्षी सिन्हा और ज़हीर इक़बाल फिर साथ आए

पोस्टर में फिल्म से सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल का पहला लुक दिखाया गया है और ऐसा लगता है कि सीन किसी रेस्टोरेंट का है। इसमें यह लाइन भी लिखी है, उसे एक कनेक्शन मिला, उसे एक जुनून मिला। फिल्म का पहला पोस्टर शेयर करते हुए सोनाक्षी ने लिखा, आप प्यार और जुनून के बीच कहीं

मोबाइल टावर बनेगा पूरे गांव की परेशानी, ‘दुपहिया’ सीजन 2 में होंगे ये 5 बड़े हंगामे

छोटे शहर और गांव की रोजमर्रा की जिंदगी को मजेदार अंदाज में दिखाने वाली सीरीज ‘दुपहिया’ अपने दूसरे सीजन के साथ लौट आई है। धड़कपुर की कहानी इस बार पहले से ज्यादा हंगामेदार होने वाली है। मोबाइल टावर से शुरू होने वाली हलचल से लेकर भुगोल की बढ़ती शोहरत और रोशनी की परीक्षा तक, सीजन 2 में कई नए मोड़ देखने को मिलेंगे। आइए जानते हैं वे 5 वजहें, जो ‘दुपहिया’ सीजन 2 को खास बनाती हैं। धड़कपुर में बनवारी की बंजर जमीन पर अचानक एक मोबाइल टावर खड़ा हो जाता है। इसके बाद गांव में विकास से ज्यादा अफवाहों और अटकलों की चर्चा शुरू हो जाती है। देखते ही देखते यह टावर पूरे गांव के लिए बड़ा मुद्दा बन जाता है। सीजन की कहानी में मोबाइल टावर से जुड़ी घटनाएं कई नए और मजेदार हंगामों की शुरुआत करती हैं। भुगोल अब धड़कपुर में अपनी एक अलग पहचान बना चुका है। उसकी बढ़ती लोकप्रियता के साथ उसकी जिंदगी में नई परेशानियां भी आने लगती हैं। छोटे से गांव में किसी व्यक्ति को अचानक मिलने वाली शोहरत किस तरह उसके आसपास के रिश्तों और हालात को बदल देती है, यह इस सीजन में देखने को मिलेगा। ६। धड़कपुर की उथल-पुथल के बीच रोशनी का ध्यान अपने सपने पर है। उसके सामने परीक्षा की चुनौती है और उसे गांव की तमाम हलचलों के बीच अपनी तैयारी पर ध्यान देना



तेरा यार हूं मैं’ जैसे पॉपुलर फ्रेंडशिप एंथम को यादगार बनाने वाली टीम एक बार फिर साथ आई है। अरिजीत सिंह, रोचक कोहली, कुमार और लव रंजन की यह टीम अब फिल्म ‘पहला प्यार दूसरी बार’ के नए गाने ‘पुराने दिन’ के लिए साथ आई है। यह गाना रिलीज हो चुका है और इसमें दोस्ती, पहला प्यार और कॉलेज के दिनों की खूबसूरत यादों को दिखाया गया है। ‘तेरा यार हूं मैं’ जहां दोस्ती के मजबूत रिश्ते की कहानी कहता था, वहीं ‘पुराने दिन’ सुनने वालों को जवानी और पहले प्यार के उस दौर में ले जाता है, जब क्लासरूम में छिपकर क्रश को देखना, बिना कुछ कहे



लाइन खींचेंगे? #TuHaiMeriKiran 23 अक्टूबर को सिनेमाघरों में। जुड़े रहें। मिली जानकारी के अनुसार, तू है मेरी किरण को करण रावल ने लिखा और डायरेक्ट किया है। इसे विशाल राणा, सर्वेश गोयल, अश्वनी कुमार, मनोज दराक और नृपाल पटेल ने प्रोड्यूस किया है। शोएब मेमन और ताहा मेनन को—प्रोड्यूसर हैं।

सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल की शादी के बारे में जानकारी के लिए बता दें कि श्दबंगश एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा ने 23 जून 2024 को एक प्राइवेट सिविल सेरेमनी में अपने बॉयफ्रेंड जहीर इकबाल से शादी की थी। सात साल तक डेटिंग करने के बाद, इस कपल ने मुंबई में सोनाक्षी के घर पर स्पेशल मैरिज एवट के तहत शादी की। कपल ने शिल्पा शेट्टी के रेस्टोरेंट में एक रिसेशन भी होस्ट किया था। इंस्टाग्राम पर अपनी सिविल वेडिंग की पहली तस्वीरें शेयर करते हुए सोनाक्षी ने लिखा, छीक इसी दिन, सात साल पहले (23.06.2017) हमने एक—दूसरे की आँखों में प्यार का सबसे शुद्ध रूप देखा और उसे हमेशा साथ बनाए रखने का फैसला किया। आज उसी प्यार ने हमें सभी चुनौतियों और कामयाबियों से गुज़ारा है... और हम इस पल तक पहुँचे हैं... जहाँ अपने दोनों परिवारों और भगवान के आशीर्वाद से. .. हम अब पति—पत्नी बन गए हैं। प्यार, उम्मीद और एक—दूसरे



है। इस सफर में अमावस उसका साथ देता है। रोशनी की कहानी सीरीज में सपनों, मेहनत और छोटे शहर की जिंदगी से जुड़ा एक अलग पहलू सामने लाती है।‘दुपहिया’ सीजन 2 में पुराने कलाकारों की टोली एक बार फिर दर्शकों का मनोरंजन करने लौट आई है। गजराज राव, रेणुका शहाणे, स्पर्श श्रीवास्तव, भुवन अरोड़ा, शिवानी रघुवंशी और यशपाल शर्मा अपने किरदारों में वापसी कर रहे हैं। वहीं भोजपुरी स्टार दिनेश लाल यादव उर्फ निरहुआ भी इस सीजन का हिस्सा बने हैं। उनकी एंट्री धड़कपुर की कहानी में एक नया रंग जोड़ती है। ‘दुपहिया’ की ख़ासियत इसकी साधारण लेकिन मजेदार कहानी है। गांव की गॉसिप, पारिवारिक रिश्ते, लोगों के छोटे—बड़े सपने और रोजमर्रा की परेशानियां कहानी को दर्शकों से जोड़ती हैं। दूसरे सीजन में भी ६

शादी के बाद पहली बार परदे पर दिखेगी सोनाक्षी-ज़हीर की केमिस्ट्री! ‘तू है मेरी किरण’ का पहला पोस्टर आउट

आपको बता दें कि यह जोड़ी सबसे पहले साल २०२२ में आई फिल्म श्डबल ग्स में एक साथ स्क्रीन शेयर करते दिखी थी। आने वाली फ़िल्म शतू है मेरी किरण २३ अक्टूबर २०२६ को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी। इस फ़िल्म को एशोलॉन प्रोडक्शंस ने पाम स्टूडियोज़ और छव प्रोडक्शंस के साथ मिलकर प्रोड्यूस किया है।

के साथ हर खूबसूरत चीज़ के नाम, अब से हमेशा के लिए। सोनाक्षी जहीर 23.06.2024 |

सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल का वर्क फ्रंट काम की बात करें तो, सोनाक्षी सिन्हा को आखिरी बार ज्योतिका के साथ लीगल ड्रामा शसिस्टम्श में देखा गया था। इस फिल्म को अश्विनी अय्यर तिवारी ने डायरेक्ट किया था और यह 22 मई को प्राइम वीडियो पर रिलीज़ हुई थी। इसके बाद वह विजय वर्मा के साथ क्राइम थ्रिलर सीरीज़ दहाड़ के दूसरे सीज़न में नज़र आएँगी। वहीं, जहीर इकबाल, जिन्होंने 2019 की फिल्म नोटबुक से एक्टिंग में डेब्यू किया था, आखिरी बार 2022 की फिल्म ‘डबल XL’ में दिखे थे, जिसमें उन्होंने पहली बार सोनाक्षी सिन्हा के साथ काम किया था। इस फिल्म में हुमा कुरैशी भी अहम भूमिका में थीं।



।धड़कपुर का यही देसी अंदाज बरकरार है, लेकिन इस बार नए किरदारों और नई परेशानियों के साथ कहानी पहले से ज्यादा दिलचस्प हो गई है।सोनम नायर के निर्देशन में बनी ‘दुपहिया’ सीजन 2 का निर्माण सलोना बेन्स जोशी और शुभ शिवदासानी ने बॉम्बे फिल्म कार्टेल एलएलपी के बैनर तले किया है। सीरीज की कहानी और लेखन अविनाश द्विवेदी और चिराग गर्ग ने किया है। पहले सीजन की कहानी को आगे बढ़ाते हुए दूसरे सीजन में गजराज राव, रेणुका शहाणे, स्पर्श श्रीवास्तव, भुवन अरोड़ा, शिवानी रघुवंशी और यशपाल शर्मा की वापसी हुई है। वहीं दिनेश लाल यादव उर्फ निरहुआ इस बार कलाकारों की टोली में नए सदस्य के तौर पर शामिल हुए हैं। ‘दुपहिया’ सीजन 2 अब प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हो रहा है।

‘तेरा यार हूं मैं’ के बाद फिर साथ आए अरिजीत सिंह, ‘पहला प्यार दूसरी बार’ का ‘पुराने दिन’ रिलीज

शुरुआती दौर से गुजरते नजर आते हैं। कंपोजर रोचक कोहली ने कहा कि ‘तेरा यार हूं मैं’ को आज भी मिल रहे प्यार के लिए वह आभारी हैं। उन्होंने बताया कि ‘पुराने दिन’ के लिए लव रंजन, अरिजीत सिंह और कुमार के साथ दोबारा काम करना उनके लिए खास अनुभव रहा। उनके मुताबिक, इस गाने के जरिए पहले प्यार की उस मासूमियत को एक्सप्लोर करने की कोशिश की गई है, जिससे हर कोई खुद को जोड़ सकता है। लिरिसिस्ट कुमार के मुताबिक, ‘तेरा यार हूं मैं’ और ‘पुराने दिन’ दोनों ही दोस्ती और बड़े होने के साथ जुड़ी यादों से निकलते हैं। ‘पुराने दिन’ के जरिए उन्होंने कॉलेज लाइफ की उस मासूमियत को शब्द देने की कोशिश की है, जब दोस्ती, पहला क्रश और छोटी—छोटी बातें भी बेहद खास लगती थीं।‘पुराने दिन’ गाना टी—सीरीज म्यूजिक पर उपलब्ध है। लव फिल्म्स द्वारा प्रस्तुत ‘पहला प्यार दूसरी बार’ का निर्देशन अनुज सैनी ने किया है। फिल्म को लव रंजन और अंकुर गर्ग ने प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म 23 अक्टूबर 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।



करीना के शो में मीरा राजपूत, शाहिद की पत्नी संग बेबो की मुलाकात देख फैंस बोले ये तो कभी नहीं सोचा था!

जिस मुलाकात की उम्मीद नहीं थी, वो हो गई... शाहिद की एक्स करीना और पत्नी मीरा राजपूत को साथ देखकर हैरान हुए फैंस

कुछ ऐसा हुआ जिसकी उम्मीद नहीं थी ! बॉलीवुड सेलेब्स करीना कपूर खान और मीरा राजपूत कपूर हाल ही में एक—दूसरे से मिलीं और बेबो के शो व्हाट वुमन वॉंट के नए सीजन के लिए खुलकर बातचीत की। मंगलवार को करीना ने सेट से मीरा के साथ एक तस्वीर शेयर की और उनके मिलनसार और प्यारे स्वभाव की तारीफ की। करीना ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, आज शो में बेहद मिलनसार और प्यारी मीरा। मीरा ने उस स्टोरी को री—शेयर किया और शो में बुलाने के लिए करीना का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने अपनी फ्रीड पर कुछ तस्वीरें भी पोस्ट कीं। जब करीना कपूर खान और मीरा राजपूत ने अपनी मुलाकात की तस्वीरें शेयर कीं, तो सोशल मीडिया यूजर्स दोनों को साथ देखकर सुखद रूप से हैरान रह गए। कई लोगों ने मजेदार कमेंट्स किए लेकिन सभी ने अच्छे भाव के साथ उनकी इस अनपेक्षित मुलाकात की तारीफ की। हैरानी की वजह यह थी कि मीरा की शादी शाहिद कपूर से हुई है, जो सालों पहले करीना के साथ रिलेशनशिप में थे। एक फैन ने कमेंट किया, वाह ! हमने इसकी उम्मीद नहीं की थी लेकिन हम उत्साहित हैं। एक और यूजर ने लिखा, सच कहूं तो, जिंदगी में इस तरह के कोलेबोरेशन की मैंने कभी उम्मीद नहीं की थी। शो के नए सीजन में करीना महीप कपूर, अली फजल और भावना पांडे के साथ भी बातचीत करती नजर आएंगी। वहीं, एक्टिंग की बात करें तो करीना हाल ही में इन्वेस्टिगेटिव ड्रामा दायरा में मुख्य भूमिका में नजर आईं। इस फिल्म में करीना और पृथ्वीराज सुकुमारन पुलिस अफसर की भूमिका में हैं, जो जुवेनाइल क्राइम (नाबालिगों द्वारा किए गए अपराध) की अंधेरी और जटिल दुनिया से निपटते हुए एक—दूसरे के आमने—सामने आते हैं। मेकर्स के अनुसार, यह फिल्म सच्ची घटनाओं से प्रेरित है। हाल ही में दिल्ली में एक प्रेस मीट में, करीना ने मेघना गुलजार की फिल्म श्दायराश में पुलिस अफसर अजूनी का किरदार निभाते समय कानून और न्याय के बीच नैतिक उलझन को समझने के बारे में बात की।



स्ट्री 3 को लेकर बड़ा अपडेट, 2028 में रिलीज होगी श्रद्धा कपूर की फिल्म

‘स्ट्री’ फ्रेंचाइजी के तीसरे पार्ट का इंतजार कर रहे फैंस के लिए बड़ा अपडेट सामने आया है। बॉलीवुड एक्टर राजकुमार राव और एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर की मशहूर हॉरर—कॉमेडी फ्रेंचाइजी की अगली फिल्म ‘स्ट्री 3’ की रिलीज को लेकर निर्माता दिनेश विजन ने जानकारी दी है। मुंबई में आयोजित फिक्की फ्रेम्स के 26वें संस्करण के दौरान उन्होंने फिल्म की शूटिंग और रिलीज की समयसीमा के बारे में बताया। इस बातचीत में फिल्म के मुख्य अभिनेता राजकुमार राव भी शामिल हुए। दोनों फिलहाल अपनी आने वाली फिल्म ‘प्रहार’ को लेकर चर्चा में हैं।

2028 में रिलीज हो सकती है ‘स्ट्री 3’ दिनेश विजन ने बताया कि ‘स्ट्री’ फ्रेंचाइजी के तीसरे पार्ट पर काम शुरू हो चुका है। फिल्म का निर्देशन अमर कौशिक करेंगे। हालांकि, फिलहाल अमर कौशिक अपनी दूसरी बड़ी फिल्म ‘महावतार’ पर काम कर रहे हैं। दिनेश विजन के मुताबिक, अमर कौशिक ‘महावतार’ की शूटिंग जनवरी 2027 के अंत तक शुरू करेंगे और इसे जून तक पूरा करने का प्लान है। इसके बाद वह ‘स्ट्री 3’ पर काम शुरू करेंगे। इसी टाइमलाइन को देखते हुए ‘स्ट्री 3’ के 2028 में रिलीज होने की उम्मीद है। फिल्म अगले साल के अंत तक फ्लोर पर जा सकती है। हालांकि, इसकी आधिकारिक रिलीज डेट अभी सामने नहीं आई है। दिनेश विजन ने बताया कि अमर कौशिक ने ‘स्ट्री 3’ की स्क्रिप्ट पूरी कर ली है। उन्होंने फिल्म की कहानी के बारे में ज्यादा जानकारी साझा नहीं की, लेकिन बताया कि इस बार दर्शकों को पहले से ज्यादा दिवस्ट देखने को मिलेंगे। उन्होंने कहा कि फिल्म में फ्रेंचाइजी से जुड़ी वही चीजें देखने को मिलेंगी, जिन्हें दर्शकों ने पहले पसंद किया है। ‘स्ट्री 3’ की रिलीज को लेकर स्वतंत्रता दिवस या क्रिसमस 2028 के आसपास का समय भी विचार में हो सकता है। हालांकि, अभी तक फिल्म की आधिकारिक रिलीज डेट की घोषणा नहीं की गई है।



जलकर काला हो गया है चाय का बर्तन, तो चमकाने के लिए अपनाएं ये टिप्स

हर भारतीय नारी अपनी रसोई की हर एक चीज को शीशे के जैसे चमकाकर रखती है। लेकिन कभी-कभी उनकी लाख कोशिश के बाद भी वह चाय के कुछ जिद्दी व चिपचिपे बर्तनों को साफ करने में फेल हो जाती है। जिनका इस्तेमाल घर में कुछ ज्यादा ही होता है। क्योंकि चाय पीना तो हर किसी को पसंद है। दिन में न जाने कितनी बार घर में चाय बनती है। बार बार इसके प्रयोग से इसके नीचे का हिस्सा चलकर काला हो जाता है और इसके अंदर से अजीब सी गंदगी जमा हो जाती है जो लाख रगड़ने के बाद भी साफ नहीं होती। ऐसे में इन चिपचिपे बर्तनों को साफ करना एक चोलेंज बन जाता है। आप भी इस समस्या से परेशान है तो चिंता न करें। क्योंकि आज हम आपको चाय के बर्तनों को साफ करने के आसान से तरीके बताएंगे। जिनकी मदद से आप के बर्तन पहले जैसे चमक जाएंगे। तो चलिए जानते है कुछ टिप्स के बारे में।

बेकिंग सोडा का इस्तेमाल

चाय के बर्तन के जिद्दी दाग साफ करने के लिए आप बेकिंग सोडे का इस्तेमाल कर सकते है। इसके लिए सबसे पहले चाय बनाने वाले बर्तन के चारों तरफ सोडा डालकर कम से कम 5 मिनट छोड़ दें। इसके बाद इसे साफ पानी से धो लें। इससे धाग तो जाएंगे ही साथ में बर्तनों के अंदर जो जमा गंदगी है वह भी दूर हो जाएगी।

बर्तन पर रगड़े नींबू

दिनभर चाय के बर्तनों के प्रयोग से उसका काला और सड़ जाना लाजमी है। ऐसे में उस बर्तन को साफ करने के लिए नींबू का सहारा लें। चाय के गंदे बर्तन पर नींबू को रगड़े। आप नींबू क दो टुकड़े कर के भी चाय के बर्तन में रगड़ सकते हैं। इससे बर्तन का कालापन जल्दी दूर होगा और बाद में साफ पानी से इसे साफ कर लें।

सिरके का करें इस्तेमाल

चाय के काले बर्तनों को साफ करने के लिए सिरका और बेकिंग सोडा बेस्ट है। इसके लिए सबसे पहले गंदे बर्तन में सिरका और बेकिंग सोडा को 15 मिनट के लिए उसमें डाल दें। इसके बाद लिक्विड डिशवॉशर सोप या साफ पानी से उसे धो लें।

नमक से करें साफ

नमक खाने के लिए नहीं किसी चीज के जिद्दी दाग को हटाने में भी कारगर है। इसके लिए चाय के जले बर्तन में 2 चम्मच नमक डालें और फिर पैन को पानी से भरकर लिक्विड डिशवॉशर सोप डालकर हल्का गर्म करें। अब एक घंटे इसे ऐसे ही छोड़ने के बाद चम्मच से घिस लें। फिर जूने की मदद से बर्तन को साफ करे। बाद में साफ पानी से इसे धो लें।

ओखली-मूसल में छिपा है स्वाद और सेहत का राज, इस्तेमाल के समय न करें ये गलतियां

आज भी कई भारतीय घरों में जब चाय बनाई जाती है तो अदरक व इलायची को कूटने के लिए ओखली आदि का इस्तेमाल किया जाता है। कई बार सब्जी में लहसुन, मसाला, अदरक व हरी मिर्च आदि डालने के लिए इसको भी ओखली से कूटते हैं। बता दें



कि वर्तमान में कई घरों में एल्युमीनियम, लोहे या फिर पत्थर की ओखली का इस्तेमाल किया जाता है। हालांकि आजकल के लोगों को ओखली सही तरीके से उपयोग करना नहीं आता हैं। जिसके कारण वह मसाले को सही से पीस नहीं पाते हैं। इस आर्टिकल के जरिए आज हम आपको ओखली के सही इस्तेमाल के बारे में बताने जा रहे हैं। यह हैक्स आपके बहुत काम आएंगे।

ऐसे करें इस्तेमाल

अक्सर लोगों को ओखली इस्तेमाल करते समय यह समस्या होती है कि इसमें मसाले अच्छे से कूट नहीं पाते हैं। अगर आपके साथ भी ऐसा ही होता है तो बता दें आप मूसल का सही इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं। मूसल को इस्तेमाल करने का एक तरीका होता है। इसका इस्तेमाल किसी हथौड़े की तरह नहीं बल्कि गोल-गोल घुमाकर ओखली में पड़े सामान को कूटा जाता है।

इस्तेमाल करें सूखी ओखली

वहीं ओखली में किसी चीज को कूटने के दौरान सबसे बड़ी गलती यह की जाती है की हम सूखी ओखली का इस्तेमाल करते हैं। ऐसे में मसाले अच्छे से पीस नहीं पाते। इसलिए आप ओखली में मसाला पीसने के लिए सबसे पहले उसमें चावल और नमक डालें। इसके बाद इसे अच्छे से दरदरा कूट लें। फिर ओखली में पानी डालकर 10 मिनट के लिए छोड़ दें। समय पूरा होने के बाद पानी को फेंक दें और चावल निकालकर उसमें मसाले आदि कूटें।

पत्थर की ओखली : कुछ लोग पत्थर की ओखली की जगह प्लास्टिक या मेटल की ओखली का इस्तेमाल करते हैं। बता दें कि प्लास्टिक या मेटल की ओखली में मसाले अच्छे से पिसते नहीं है। इसलिए आपको पत्थर की ओखली इस्तेमाल करनी चाहिए। पत्थर की ओखली का वजन ज्यादा होने के कारण इसमें मसाले महीने कुटते हैं। आप चाहें तो ब्लैक स्टोन वाली ओखली का भी इस्तेमाल कर सकती हैं।

ऐसे करें साफ: पत्थर वाली ओखली की साफ-सफाई करने के लिए आप नींबू का इस्तेमाल कर सकती हैं। हालांकि नींबू से भी ज्यादा अच्छा ऑप्शन बेकिंग सोडा है। बता दें कि कई बार ओखली की सतह पर गंदगी की मोटी परत जम जाती है। इसलिए आप बेकिंग सोडा से इसको आसानी साफ कर सकती हैं। ओखली को साफ करने के लिए सबसे पहले पानी और बेकिंग सोडा का मिक्स कर लें। फिर इस घोल को ओखली में डालकर कुछ समय के लिए रख दें। इसके बाद आप इसे साफ कर सकते हैं।

विविध



प्रेग्नेंसी में दवा से कम नहीं म्युजिक मां के साथ बच्चे को भी मिलते हैं कई सारे हेल्थ बेनिफिट

म्यूजिक एक बेहतरीन मूड बूस्टर है। म्यूजिक की मधुर धुनों को सुनने से कुछ ही पलों में तनाव दूर हो जाता है। ये एक तरीके की थैरेपी भी है, जिसे पहले के जमाने में शारीरिक और मानसिक समस्याओं के इलाज के लिए इस्तेमाल किया जाता है। सिर्फ तनाव में ही नहीं बल्कि हाल ही की कुछ स्टडीज में ये बात सामने आई है कि संगीत प्रेग्नेंसी में भी बड़े फायदे देता है। इससे दोनों में और अजन्मे बच्चे की सेहत को कई तरह के फायदे पहुंचते हैं।

प्रेग्नेंसी के दौरान गाने सुनना

प्रेग्नेंसी में संगीत के संपर्क में आने से नवजात बच्चे में समग्र मानसिक, संज्ञानात्मक, व्यवहारिक, संवेदी, मनोवैज्ञानिक और भावनात्मक विकास में महत्वपूर्ण सुधार होते हैं। एक स्टडी में ये बात भी सामने आई है कि भारतीय शास्त्रीय संगीत और लाइट म्यूजिक प्रेग्नेंट महिला और उनके अजन्मे बच्चे की सजगत, प्रतिक्रियाओं, आंदोलन और मानसिक उत्तेजना में सुधार देखा, जबकि प्रेग्नेंट महिला में शांत और सकारात्मक प्रभाव प्रदान



स्किन को ग्लोइंग बनाने के लिए महिलाएं क्या कुछ नहीं करती। कई तरह के ब्यूटी प्रोडक्ट्स, घरेलू नुस्खे त्वचा पर इस्तेमाल करके उसे ग्लोइंग बनाना चाहती हैं परंतु इन सभी चीजों का इस्तेमाल करके भी स्किन में वैसा निखार नहीं आ पाता जैसा चाहिए होता है। आज आपको एक ऐसी चीज बताएंगे जो आपकी कई तरह की स्किन प्रॉब्लम्स दूर कर सकते हैं। एप्पल साइड विनेगर आपकी स्किन को ग्लोइंग बनाने में मदद करेगा। तो चलिए आज आपको बताते हैं इसे स्किन पर इस्तेमाल करने के फायदे...

एंटी-एजिंग स्पोट्स होंगे दूर

कई शोधों में यह साबित हुआ है कि एप्पल साइड विनेगर में पाया जाने वाला अल्फा हाइड्रॉक्सी एसिड त्वचा के दाग-धब्बे दूर करने में मदद करता है। दाग-धब्बों पर आप इसका इस्तेमाल करके समस्या से छुटकारा पा सकते हैं। कॉस्मेटिक प्रॉडक्ट्स की जगह चेहरे पर आप इनका इस्तेमाल कर सकते हैं।

झुर्रियां होगी दूर

सेब का सिरका आपकी त्वचा को टाइट करने में मदद करता है। इसके अलावा चेहरे पर मौजूद झुर्रियों को दूर करने के लिए भी आप चेहरे पर इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। यह त्वचा को हाइड्रेट करने में मदद करता है और बढ़ती उम्र में त्वचा पर होने वाली सैगिंग को भी ठीक करता है।

करवाचौथ पर अपनी वाइफ को खुश करने के लिए दें ये 5 खास गिफ्ट्स

करवाचौथ का त्यौहार केवल महिलाएं ही नहीं, बल्कि पति-पत्नी दोनों के लिए खास होता है। महिलाओं के लिए यह व्रत पति की लंबी उम्र और खुशहाली के लिए रखा जाता है, वहीं पति के लिए यह मौका होता है अपनी पत्नी को खुश करने और उनके प्रति प्यार जताने का। अगर आप सोच रहे हैं कि इस करवाचौथ अपनी पत्नी को क्या गिफ्ट दें, तो हम आपके लिए 5 ऐसे खास विकल्प लेकर आए हैं, जिन्हें देखकर आपकी पत्नी बेहद खुश होगी।

गोल्ड ज्वेलरी

महिलाओं को गोल्ड ज्वैलरी हमेशा से पसंद रही है। करवाचौथ के मौके पर आप अपनी पत्नी को गोल्ड की रिंग, चेन, ब्रेसलेट या इयररिंग्स गिफ्ट कर सकते हैं। यह न केवल खूबसूरत और खास महसूस कराता है, बल्कि भविष्य में भी काम आता है। ज्वैलरी पहनकर आपकी पत्नी अपने अंदाज को और निखार सकती हैं और खास मौकों पर इसका इस्तेमाल कर सकती हैं।

स्मार्ट वॉच

आजकल स्मार्ट वॉच महिलाओं के लिए बहुत प्रैक्टिकल और हेल्दी गिफ्ट बन गई है। करवाचौथ पर अपनी पत्नी को स्मार्ट वॉच गिफ्ट करना उन्हें हेल्थ और फिटनेस के प्रति सजग बनाता है। इससे वह अपने डेली रूटीन, स्टेप्स, हार्ट रेट और कैलोरी बर्न ट्रैक कर सकती हैं। यह गिफ्ट उनके लिए काम का भी है और साथ ही आपके प्यार का प्रतीक भी बनेगा।

क्रेडिट कार्ड

अगर आपकी पत्नी हाउसवाइफ हैं या उन्हें शॉपिंग करना पसंद है, तो क्रेडिट कार्ड एक शानदार और यूनिक गिफ्ट हो सकता है। इससे उन्हें अपनी जरूरत की चीजें बिना किसी झिझक के खरीदने का अवसर मिलेगा। आपको बार-बार पैसे देने की जरूरत नहीं होगी और पत्नी को भी खुद पर भरोसा और आजादी महसूस होगी। यह गिफ्ट रिश्ते में भरोसे और सुविधा दोनों लाता है।

हेल्थ इंश्योरेंस

आज के समय में स्वास्थ्य का ख्याल रखना बेहद जरूरी है। अपनी पत्नी को हेल्थ इंश्योरेंस गिफ्ट करना न सिर्फ एक यूनिक आइडिया है, बल्कि यह उनकी सुरक्षा और आपकी जिम्मेदारी का प्रतीक भी है। यह गिफ्ट उन्हें मानसिक संतोष देगा कि आप उनकी सेहत की चिंता करते हैं। यह गिफ्ट लंबे समय तक यादगार रहेगा और आपकी देखभाल का सबूत भी बनेगा।

ट्रिप या हॉलिडे प्लान

अगर आप अपनी पत्नी को कुछ अलग और यादगार गिफ्ट देना चाहते हैं, तो उनके पसंदीदा स्थान की ट्रिप या हॉलिडे प्लान करें। यह गिफ्ट केवल भौतिक नहीं है बल्कि अनुभव और यादों से भरा होता है। इससे आप दोनों के लिए कुछ नया और रोमांचक अनुभव होगा। साथ ही यह मौका आपको एक-दूसरे के साथ क्वालिटी टाइम बिताने का भी मिलेगा। करवाचौथ केवल व्रत का त्यौहार नहीं, बल्कि अपने प्यार और ख्याल को जताने का मौका है। गोल्ड ज्वैलरी, स्मार्ट वॉच, क्रेडिट कार्ड,

करता है।
पेट में बच्चा कब से म्यूजिक सुन सकता है
ये माना जाता है कि अजन्मे बच्चे दूसरी तिमाही में संगीत सुन सकते हैं। गर्भधारणा के नौ हफ्ते बाद बच्चे के कान का निर्माण शुरू हो जाता है और बच्चा बाहर की आवाजें सुन सकता है। एक प्रेग्नेंट महिला 25 से 26 सप्ताह प्रेग्नेंट होती हैं, तो आपका बच्चा बाहरी शोर और आवाज का जवाब देना शुरू कर सकता है। तीसरी तिमाही तक, आपका बच्चे आपकी आवाज से इतना परिचित होगा कि वह उसे तुरंत पहचान लेता है।
जानें प्रेग्नेंसी में म्यूजिक सुनने के फायदे
पर्सनालिटी डेवलपमेंट
ऐसा माना जाता है कि जब मां प्रेग्नेंसी के दौरान संगीत सुनती है तो वह आपके बच्चे के पर्सनालिटी को बनाने में मदद करता है, क्योंकि वह बड़ा तेज व्यक्ति बन सकता है। इस प्रकार, सुखदायक संगीत एक शांत और शांत आचरण को प्रोत्साहित कर सकता है, जबकि तेज संगीत आक्रमण लक्षणों को सामने ला



सकता है।

तनाव होता है कम

तनाव को कम करने के लिए संगीत से बेहतर और कुछ नहीं है। ये आपके मन को भी हल्का करता है। यह बदले में, आपके बच्चे को और शांत और सुखी महसूस करवाता है। ये इस प्रकार प्रेग्नेंसी के दौरानतन तनाव से निपटने का एक प्रभावी तरीका है। श्रवण इंद्रियां बेहतर होती हैं

संगीत आपके बच्चे को लयबद्ध ध्वनि तरंगों सा लगता है। बच्चा इन पर ध्यान केंद्रित करता है और ये सजगता में सुधार करते हुए संज्ञानात्मक कौशल और श्रवण इंद्रियों को उत्तेजित करता है।

इस बात का रखें ध्यान

बता दें कि संगीत में एक विशेष लय होता है जिससे बच्चों को पहचानना और याद रखना आसान हो जाता है। यह माना जाता है कि बच्चे की सांस लेने से लेकर दिल की धड़कन की रफ्तार तक पर इससे फर्क पड़ता है। इसलिए, तेज या चिल्लाता हुआ सा संगीत आपके बच्चे के लिए उपयुक्त नहीं होगा और ये आपके स्ट्रेस और ब्लड प्रेशर को भी बढ़ा सकता है।



चेहरे की सूजन होगी दूर
सेब का सिरका आपकी त्वचा से सूजन हटाने में भी मदद । इसमें मौजूद एंटीइंफ्लेमेटरी तत्व सूजन और जले जैसी समस्याओं से राहत दिलवाती हैं। इसके अलावा किसी भी तरह के इंफेक्शन के कारण होने वाली जलन दूर करने में भी यह मदद करता है।
कैसे करें इसका इस्तेमाल?
दाग धब्बे, एंटी एजिंग लक्षण और डॉर्क स्पॉट्स दूर करने के लिए आप कॉटन पर एप्पल साइड विनेगर लगाएं। इसके बाद इसे सीधा चेहरे के निशानों पर लगाएं। इसके अलावा स्किन पर आप इसका टोनर के तौर पर भी इस्तेमाल कर सकते हैं। टोनर बनाने के लिए सेब के सिरके में 50: पानी मिलाएं। चेहरे पर अच्छे से लगाने के बाद कॉटन बॉल का इस्तेमाल करें। जब ये सूख जाए तो चेहरा धो लें।
इस बात का भी रखें ध्यान
चेहरे पर सेब का सिरका लगाने से पहले पैच टेस्ट जरूर कर लें।

. मुंहासों को कम करने के लिए सेब का सिरके का यदि आप इस्तेमाल कर रहे हैं तो एक्सपर्ट की सलाह जरूर ले लें खासकर अगर आप पहले से ही त्वचा पर कोई दवाई लगा रहे हैं तो।
. कोशिश करें कि हफ्ते में 2–3 बार से ज्यादा एप्पल साइड विनेगर का इस्तेमाल न करें। ज्यादा इस्तेमाल से स्किन ड्राई हो सकती है।
एप्पल साइड विनेगर एक नैचुरल चीज हो जो आपकी स्किन की कई समस्याएं दूर कर सकता है।



हेल्थ इंश्योरेंस और ट्रिप जैसे गिफ्ट्स न सिर्फ पत्नी को खुश करेंगे, बल्कि उन्हें आपके प्यार और देखभाल का एहसास भी दिलाएंगे। इस बार अपने गिफ्ट के जरिए अपनी पत्नी को यादगार और खास अनुभव दें।

सक्षिप्त



अदाणी ग्रीन की बैटरी भंडारण क्षमता बढ़कर 6.63 GWh हुई

नयी दिल्ली। नवीकरणीय ऊर्जा कंपनी अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) की परिचालन बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस) क्षमता बढ़कर 6.63 गीगावाट-घंटा हो गई है, जो करीब 20 लाख घरों को एक दिन तक स्वच्छ ऊर्जा उपलब्ध करा सकती है। कंपनी ने बृहस्पतिवार को बयान में कहा कि इस क्षमता के साथ उसने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए निर्धारित अपने बीईएसएस क्षमता लक्ष्य का करीब 70 प्रतिशत हासिल कर लिया है। एजीईएल की परिचालन बीईएसएस क्षमता भारत की करीब 12.6 गीगावाट-घंटा की कुल परिचालन क्षमता का 50 प्रतिशत से अधिक है। कंपनी ने कहा कि उसने खावड़ा में बीईएसएस इकाई का निर्माण शुरू होने के 14 महीनों में 6.63 गीगावाट-घंटा की क्षमता हासिल की है और वित्त वर्ष 2026-27 में 10 गीगावाट-घंटे से अधिक की क्षमता जोड़ने की दिशा में आगे बढ़ रही है। एजीईएल खावड़ा में 538 वर्ग किलोमीटर के बंजर क्षेत्र में 30 गीगावाट क्षमता का नवीकरणीय ऊर्जा संयंत्र विकसित कर रही है। जून, 2026 तक एजीईएल की परिचालन बीईएसएस क्षमता 3.55 गीगावाट-घंटा थी। कंपनी अगले पांच साल में अपनी ऊर्जा भंडारण क्षमता बढ़ाकर 50 गीगावाट-घंटा करना चाहती है। बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली में लिथियम-आयन बैटरी प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल किया जाता है। इसे ऊर्जा प्रबंधन प्रणाली और स्वचालित निगरानी प्रणाली से जोड़ा जाता है, जिससे बैटरी की चार्जिंग और डिस्चार्जिंग के प्रबंधन तथा प्रणाली के प्रदर्शन को बेहतर करने में मदद मिलती है। एजीईएल के कार्यकारी निदेशक सागर अदाणी ने कहा कि केवल 14 महीने में 6.63 गीगावाट-घंटे की परिचालन बैटरी भंडारण क्षमता हासिल करना कंपनी और भारत के स्वच्छ ऊर्जा बदलाव के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि बिजली की मांग बढ़ने के साथ कंपनी अधिक मजबूत और कम-कार्बन वाले ग्रिड के लिए बैटरी और पंप स्टोरेज, दोनों तरह की ऊर्जा भंडारण क्षमता बढ़ाती रहेगी।

कोटक महिंद्रा बैंक के नए MD और CEO बनेंगे अनुप कुमार साहा, RBI ने दी मंजूरी

मुंबई। निजी क्षेत्र के कोटक महिंद्रा बैंक को अनुप कुमार साहा को प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) बनाने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मंजूरी मिल गई है। साहा को इस साल की शुरुआत में कार्यकारी निदेशक नियुक्त किया गया था और वह खुदरा बैंकिंग, डेटा विश्लेषण तथा विपणन का काम देख रहे हैं। एमडी एवं सीईओ पद पर उनकी नियुक्ति एक जनवरी, 2027 से तीन साल के लिए होगी। कोटक महिंद्रा बैंक में शामिल होने से पहले साहा ने आईसीआईसीआई बैंक में लंबे समय तक काम किया था। उन्होंने गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी बजाज फाइनेंस में भी काम किया है। यह नियुक्ति मौजूदा एमडी एवं सीईओ अशोक वासवानी के अपना कार्यकाल पूरा होने के बाद दोबारा नियुक्ति की मांग नहीं करने के फैसले के कारण जरूरी हुई है। वासवानी ने कहा, “कोटक में शामिल होने के बाद से उन्होंने हमारे दलों के साथ काफी काम किया है और भविष्य के अवसरों को लेकर स्पष्ट समझ दिखाई है। मुझे भरोसा है कि अनुप कोटक की मजबूत नींव को आगे बढ़ाएंगे, ग्राहकों के साथ संबंधों को और मजबूत करेंगे तथा अनुशासन के साथ बैंक को आगे ले जाएंगे।” बैंक के चेयरमैन सी. एस. राजन ने कहा कि साहा अपनी मौजूदा भूमिका में पहले से ही बैंक के कारोबार से सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं। बैंक को उम्मीद है कि उनके नेतृत्व में कारोबार को और मजबूत किया जाएगा तथा सतत वृद्धि को आगे बढ़ाया जाएगा।

एनएसई को मिली हरी झंडी : सेबी ने दी कॉरपोरेट बॉन्ड इंडेक्स डेरिवेटिव की मंजूरी

नयी दिल्ली। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया (एनएसई) को 'कॉरपोरेट बॉन्ड इंडेक्स डेरिवेटिव' शुरू करने के लिए बाजार नियामक सेबी से अनापति प्रमाणपत्र (एनओसी) मिल गया है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) से मिली जानकारी देते हुए एनएसई ने बृहस्पतिवार को बयान में कहा कि यह प्रस्तावित पहल बाजार प्रतिभागियों को 'कॉरपोरेट बॉन्ड' बाजार से जुड़े जोखिम से निपटने के लिए एनएसई पर कारोबार का एक विकल्प देगी और भारत में 'कॉरपोरेट बॉन्ड डेरिवेटिव' के परिवेश को विकसित करने में मदद करेगी। 'कॉरपोरेट बॉन्ड इंडेक्स डेरिवेटिव' से प्रबंधन व पोर्टफोलियो जोखिम और कीमतों का पता लगाने के लिए भी एक अतिरिक्त विकल्प मिलने की उम्मीद है। इससे प्रतिभागियों को अपने 'कॉरपोरेट बॉन्ड पोर्टफोलियो' से जुड़े जोखिमों से निपटने में मदद मिलेगी और बाजार में कारोबार करने की सुविधा भी बढ़ेगी। बयान में कहा गया कि हालांकि इसकी शुरुआत के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मंजूरी आवश्यक है। एनएसई के मुख्य कारोबार विकास अधिकारी श्रीराम कृष्णन ने कहा कि यह पहल भारत के निश्चित आय वाले बाजारों को व्यापक करने और एनएसई पर कारोबार किए जाने वाले जोखिम प्रबंधन उत्पादों का विस्तार करने के एनएसई के प्रयासों का हिस्सा है।

क्वससंत के मुकाबले ल्चमम 3 पैसे गिरकर 95.97 के स्तर पर आया

मुंबई। रुपया बृहस्पतिवार को शुरुआती कारोबार में सीमित दायरे में कारोबार करता हुआ तीन पैसे की गिरावट के साथ 95.97 प्रति डॉलर पर आ गया। सरकारी तेल कंपनियों की ओर से डॉलर की लगातार मांग के कारण रुपये पर दबाव रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से हाजिर और वायदा बाजारों में डॉलर की बिक्री से रुपये की गिरावट हालांकि, सीमित रही और विनिमय दर 96.00 के स्तर से नीचे बनी रही। इसके अलावा, विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में मजबूती से भी रुपया दबाव में रहा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.95 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में टूटकर 95.97 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से तीन पैसे की गिरावट है।

खेल

रोहित शर्मा ने की कप्तान शुभमन गिल की तारीफ, 223 रन की पारी को बताया यादगार

गुवाहाटी में वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे वनडे में शुभमन गिल के नाबाद 223 रन और रोहित शर्मा के 101 रनों की मदद से भारत ने 406 रनों का ऐतिहासिक लक्ष्य हासिल किया। इस शानदार जीत और 255 रनों की ओपनिंग साझेदारी के बाद रोहित शर्मा ने कप्तान गिल की एकाग्रता और जज्बे की जमकर सराहना की।

गुवाहाटी में वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत के रिकॉर्ड—तोड़ दूसरे वनडे इंटरनेशनल (व्हे) मैच में शानदार नाबाद दोहरा शतक लगाने के बाद, भारतीय बल्लेबाज रोहित शर्मा ने अपने ओपनिंग पार्टनर और कप्तान शुभमन गिल की तारीफ की। गिल की 133 गेंदों में 26 चौकों और आठ छक्कों की मदद से बनाई गई नाबाद 223 रनों की पारी, भारत के 406 रनों के लक्ष्य को हासिल करने में अहम रही। यह किसी भारतीय टीम द्वारा वनडे में किया गया सबसे बड़ा सफल पीछा (चेज) और

इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा सफल पीछा था। ओपनिंग जोड़ी ने 255 रनों की साझेदारी की, जो वनडे में भारतीय ओपनर्स द्वारा की गई दूसरी सबसे बड़ी साझेदारी है। गिल की पारी में किसी भारतीय कप्तान द्वारा सबसे तेज़ वनडे शतक और दोहरा शतक शामिल था। रोहित, जिन्होंने 75 गेंदों में 10 चौकों और छह छक्कों की मदद से 101 रन बनाए, ने भी अहम व्यक्तिगत उपलब्धियां हासिल कीं; वे वनडे में 12,000 रन बनाने वाले तीसरे भारतीय और घरेलू मैदान पर 200 छक्के लगाने वाले पहले भारतीय बने। BCCI के एक वीडियो में बात करते हुए रोहित ने कहा कि बहुत अच्छा लग रहा है। हर दिन 200 रन नहीं बनते, इसलिए... यह उनके लिए बहुत यादगार पल है क्योंकि उन्होंने बहुत शानदार खेल दिखाया, जैसा कि हम सबने देखा। पहली गेंद से लेकर आखिर तक वे पूरी तरह कंट्रोल में थे। सबसे अच्छी बात यह थी कि उन्होंने 50 ओवर तक फील्डिंग की और फिर लगभग



40 ओवर तक बैटिंग की। यह आसान नहीं है, लेकिन इससे उनका जज्बा और एकाग्रता (concentration) दिखती है, जिसकी हम हमेशा बात करते हैं। इससे टीम का आत्मविश्वास बढ़ता है। जैसा कि मैंने कहा, ऐसा हर बार नहीं होता, ऐसे प्रदर्शन से हमें

बहुत कुछ सीखने को मिलेगा। अपनी सेंचुरी के बारे में बात करते हुए रोहित ने आगे कहा कि काफी गर्मी और उमस थी। जब हालात मुश्किल हों—पिच नहीं, बल्कि माहौल—तो मुझे इससे बहुत आत्मविश्वास मिलता है। यह आसान काम नहीं है। मुझे लगता है कि 100 रन

बनाने से कहीं ज्यादा खुशी मुझे इस बात से हुई कि मैं मैदान पर डटा रहा, टीम के लिए लड़ा और अपना काम किया। उन्होंने कप्तान की चुनौतियों का भी ज़िक्र किया और कहा कि और मुझे यकीन है कि उनके (गिल) लिए भी ऐसा ही होगा, क्योंकि 50 ओवर

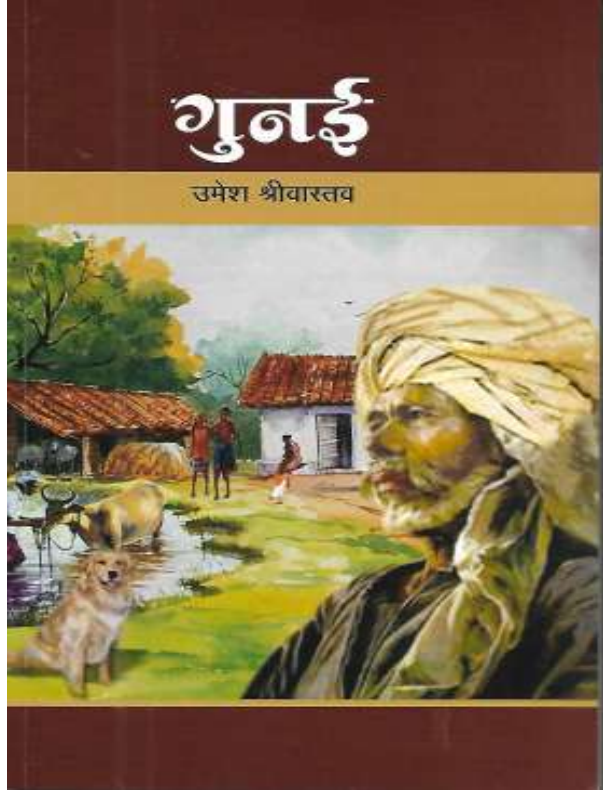
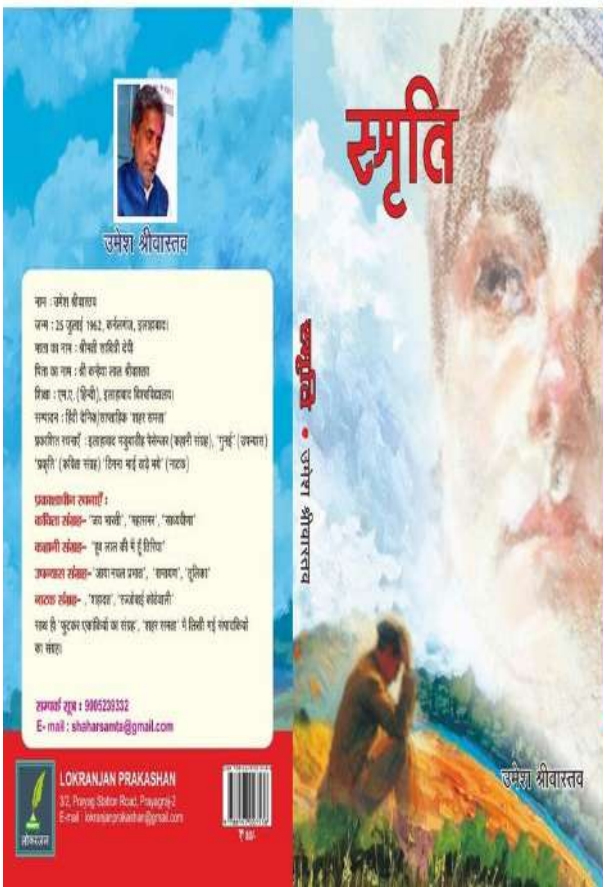
तक फील्डिंग करना, 50 ओवर तक कप्तानी करना... मैच के दौरान कप्तान को कई बार बहुत तनाव से गुज़रना पड़ता है। और फिर मैदान पर आकर बैटिंग करना, एकाग्रता बनाए रखना और नॉट आउट रहना... यह बहुत बड़ी पॉज़िटिव बात है।

टीम इंडिया ने एशियन गेम्स 2026 में T20I में 100 से अधिक रनों से जीत का बनाया नया वर्ल्ड रिकार्ड

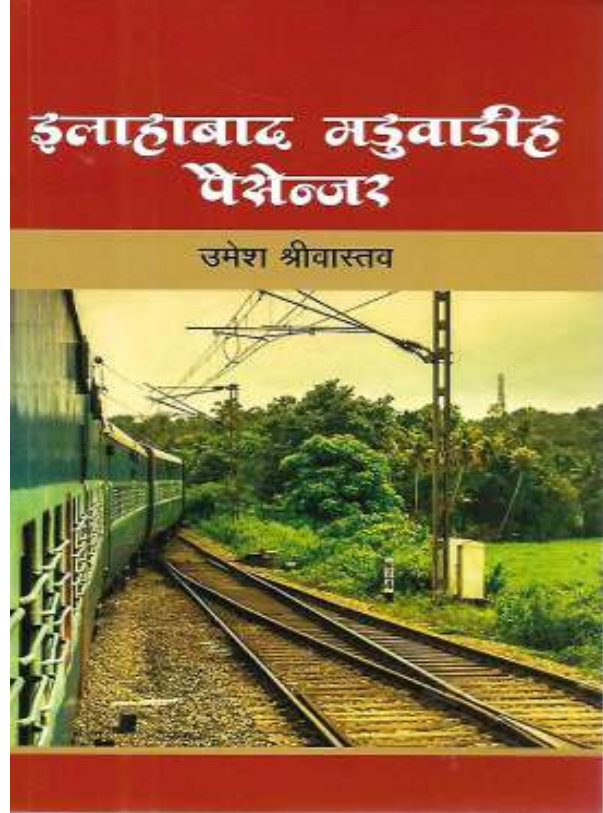
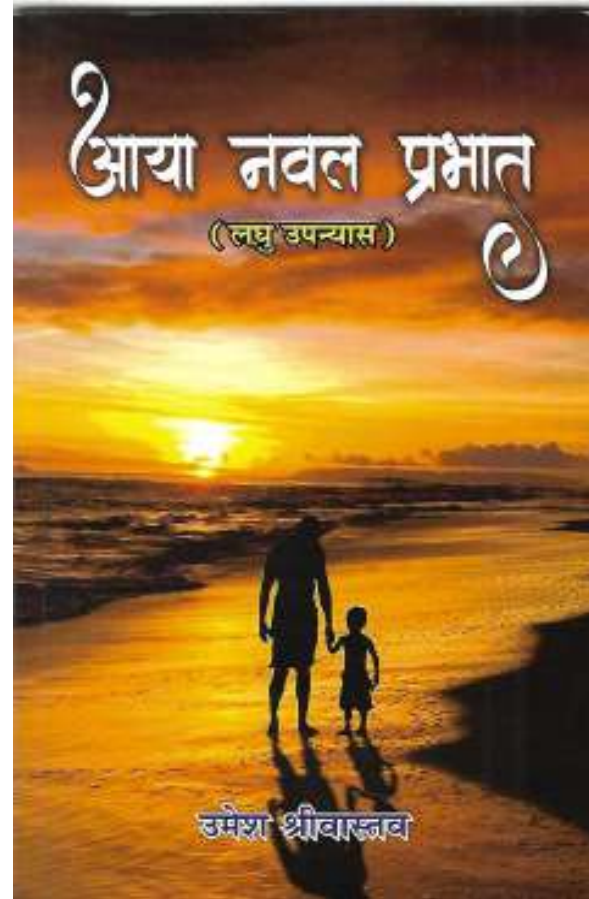
एशियाई खेल 2026 के सेमीफाइनल में भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम ने श्रीलंका को 124 रनों से हराकर नया विश्व रिकॉर्ड बनाया। ईशान किशन की नाबाद 80 रनों की पारी की मदद से भारत ने 169 रन बनाए। जवाब में जसप्रीत बुमराह और अक्षर पटेल की घातक गेंदबाजी के आगे श्रीलंकाई टीम महज 45 रनों पर सिमट गई।

जापान के आइची-नागोया में 2026 एशियाई खेलों में श्रीलंका के खिलाफ सेमीफाइनल जीत के बाद, भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम ने पुरुषों के ज़20 इंटरनेशनल में 100 या उससे ज्यादा रनों से अपनी 11वीं जीत के साथ एक वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। ईशान किशन ने एक अहम पारी खेली और 46 गेंदों पर नाबाद 80 रन बनाए, जिसमें चार चौके और पांच छक्के शामिल थे। भारत की पारी जब 87 रन पर चार विकेट गिरने के बाद धीमी पड़ गई थी, तब उनकी इस पारी ने अहम भूमिका निभाई। वैभव सूर्यवंशी ने भी 21 गेंदों पर 38 रन बनाए, जबकि अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन ने भी कुछ रन जोड़े। मुश्किल पिच पर भारत ने अपने 20 ओवरों में सात विकेट पर कुल 169 रन बनाए। टॉस जीतकर

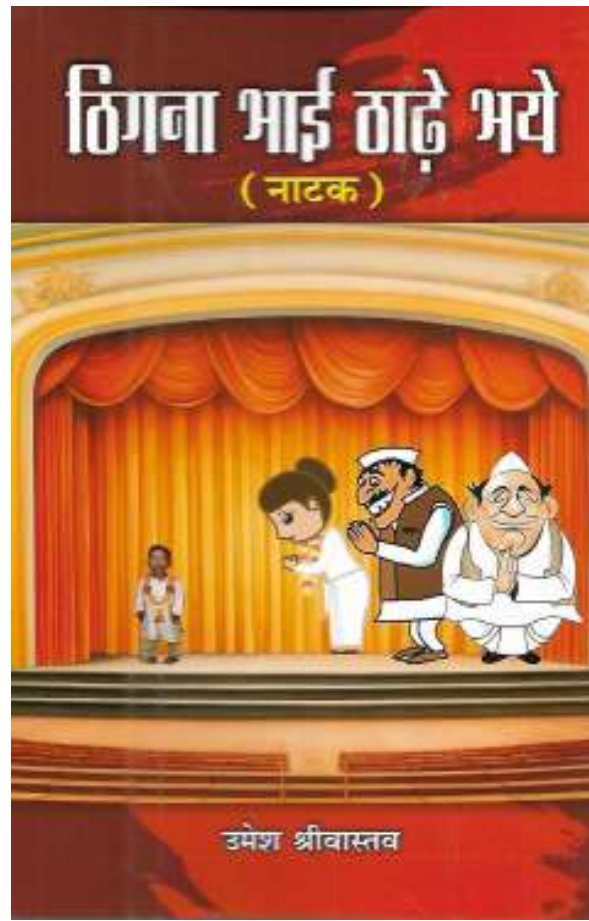
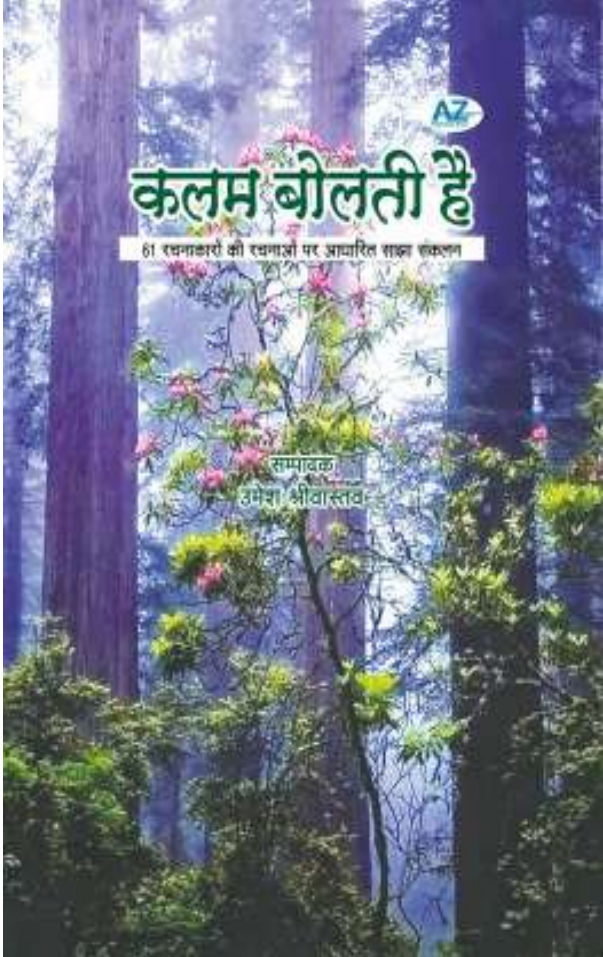
श्रीलंका ने पहले फील्डिंग करने का फैसला किया। उनके गेंदबाजों—जिनमें 28 रन देकर दो विकेट लेने वाले सहन अराचिगे और 32 रन देकर दो विकेट लेने वाले धरिदु रत्नायके शामिल थे—को मजबूत भारतीय बल्लेबाजी का सामना करना पड़ा। जवाब में, श्रीलंका की पारी लड़खड़ा गई और भारतीय गेंदबाजों जसप्रीत बुमराह (2/7), अक्षर पटेल (3/8), अभिषेक शर्मा (2/2) और वॉशिंगटन सुंदर (1/18) ने श्रीलंका को 9.5 ओवर में सिर्फ 45 रन पर ऑल-आउट कर दिया। 124 रनों की यह जीत पुरुषों के ज़20 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल या फाइनल में जीत का सबसे बड़ा अंतर है। इसने अहमदाबाद में प्ब ज़20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत की 96 रनों से जीत के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। श्रीलंका का 45 रनों का कुल स्कोर ज़20 इंटरनेशनल में किसी टेस्ट खेलने वाले देश के सबसे कम ऑल-आउट स्कोर की बराबरी करता है; इससे पहले वेस्टइंडीज ने 2019 में इंग्लैंड के खिलाफ इतना ही स्कोर बनाया था। अपनी पारी के दौरान, श्रीलंका के पांच खिलाड़ी बिना खाता खोले (डक पर) आउट हुए। यह किसी एक ज़20 पारी



चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित



समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।



ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

लाहौर के ऐतिहासिक नेहरू पार्क का कार्याकल्प शुरु, 1929 में यही पारित हुआ था पूर्ण स्वराज

लाहौर। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के लाहौर में भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े ऐतिहासिक नेहरू पार्क के जीर्णोद्धार का काम शुरु हो गया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। कृष्णा नगर इलाके में स्थित नेहरू पार्क उस स्थान पर बना है, जहां भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने अपने ऐतिहासिक लाहौर अधिवेशन के दौरान 31 दिसंबर, 1929 को ‘पूर्ण स्वराज’ का प्रस्ताव पारित किया था। इस प्रस्ताव में भारत के लिए पूर्ण स्वशासन और ब्रिटिश शासन से पूरी स्वतंत्रता की मांग की गई थी। उस समय कांग्रेस के तत्कालीन अध्यक्ष जवाहरलाल नेहरू ने इस घोषणा के प्रतीक के तौर पर इसी



स्थान पर भारतीय ध्वज फहराया था। पार्क्स एंड हॉर्टिकल्चर अथॉरिटी (पीएचए) के महानिदेशक अहमद उस्मान जावेद ने बुधवार को संवाददाताओं से कहा कि सरकार ने ऐतिहासिक नेहरू पार्क का पूरी तरह जीर्णोद्धार करने का फैसला किया है और इस दिशा में काम शुरु हो गया है। उन्होंने कहा, “बागवानी शाखा पार्क को नया रूप देने के लिए हरी-भरी घास और रंग-बिरंगे मौसमी फूल लगा रही है, जबकि इंजीनियरिंग टीम रात में रोशनी की व्यवस्था करने के साथ बेंच और बच्चों के झूले लगाएगी, ताकि इसे परिवारों के लिए अधिक सुविधाजनक बनाया जा सके।” जावेद ने कहा, “ऐतिहासिक पार्क की खूबसूरती बढ़ाने के लिए कई सजावटी फव्वारे भी लगाए जाएंगे। नेहरू पार्क सिर्फ एक सार्वजनिक पार्क नहीं, बल्कि ऐतिहासिक महत्व वाला स्थल है। हरे-भरे सार्वजनिक स्थान के रूप में इसे बहाल करते हुए इसकी ऐतिहासिक पहचान को संरक्षित करना हमारी जिम्मेदारी है।” उन्होंने कहा कि जीर्णोद्धार का काम जल्द पूरा कर लिया जाएगा। जावेद के अनुसार, यह परियोजना शहर में पीएचए के अधिकार क्षेत्र वाले 800 से अधिक छोटे सामुदायिक पार्कों के जीर्णोद्धार और नवीनीकरण की व्यापक योजना का हिस्सा है।

यूक्रेन के पावर ग्रिड पर रूस का बड़ा हमला, एक बच्चे समेत 7 नागरिकों की मौत

रूस ने यूक्रेन पर मिसाइल और ड्रोन हमला करते हुए मुख्य रूप से विद्युत ग्रिड को निशाना बनाया जिससे एक बच्चे समेत सात लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अगस्त के आखिर से रूस ने अपने हवाई हमले तेज कर दिए हैं, जिससे यूक्रेन पर दबाव बढ़ गया है। यूक्रेन जब सर्दियों की तैयारी में जुटा है तब रूस ऊर्जा संयंत्रों को निशाना बना रहा है ताकि यूक्रेन के लोगों को विद्युत सुविधा और पानी न मिल सके। प्रधानमंत्री सेरही कोरेत्स्की ने टेलीग्राम पर कहा, “गर्मियों के बाद से शायद ही कोई ऐसा दिन बीता हो जब दुश्मन ने ऊर्जा अवसंरचना पर हमला न किया हो। लेकिन यह पहला मौका है जब इतना बड़ा और समन्वित हमला हुआ है।” यूक्रेनी विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने कहा कि रूस के हमलों में बढ़ोतरी की वजह से ‘पूरे यूक्रेन में लगभग लगातार हवाई हमले के अलर्ट वाले दिन’ देखने को मिल रहे हैं। सिबिहा ने ‘एक्स’ पर पोस्ट किया, “रूस अपना आतंक बढ़ा रहा है दिन में जेट-संचालित ड्रोन, रात में बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलें। हमारे शहरों एवं आम नागरिकों पर लगातार हमले हो रहे हैं।” यूक्रेन के अधिकारियों का कहना है कि हमला शुरु करने के साढ़े चार साल बाद भी रूस लड़ाई रोकने की अमेरिकी कोशिशों में शामिल नहीं हो रहा है। उधर, रूस का कहना है कि वह अस्थायी युद्धविरोध के बजाय एक व्यापक समझौता चाहता है। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि पूरे यूक्रेन में रूसी हमलों में सात यूक्रेनी नागरिक मारे गए और 24 घायल हो गए। हालांकि, उन्होंने कोई ब्योरा नहीं दिया। यूक्रेन में क्षेत्रीय सैन्य प्रशासन के प्रमुख तिमुर तकाचेंको ने बताया कि कीव क्षेत्र के विशहोरोद में एक निजी घर के मलबे से एक मृत बच्चे को निकाला गया और तीन अन्य लोगों को बचाया गया। अधिकारियों के अनुसार, इन हमलों में राजधानी कीव में तीन लोगों की मौत हो गई और कम से कम चार अन्य घायल हो गए। जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर कहा कि रूस का मुख्य निशाना कीव और उसके आस-पास के इलाकों में मौजूद ऊर्जा अवसंरचना है।

अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने नई ड्रोन कमांड बनाने का फैसला किया

क्वांटिको। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने बुधवार को अपने वार्षिक “स्टेट ऑफ द फोर्स” संबोधन में अमेरिकी सेना में कुछ बड़े बदलावों की घोषणा की। इनमें एक नया ड्रोन कमांड बनाना और देश के 20 प्रतिशत जनरल और एडमिरल की संख्या कम करना शामिल है। हेगसेथ ने कहा कि पेंटागन युद्ध के भविष्य पर अध्ययन करने के लिए एक पहल भी शुरु करेगा जिसका नेतृत्व ‘स्पेसएक्स’ के सीईओ एलन मस्क और प्रतिनिधि सभा के पूर्व अध्यक्ष न्यूट गिंगरिच करेंगे। उन्होंने कहा कि रक्षा विभाग ‘धार्मिक मामलों का कार्यालय’ बनाएगा और 40 वर्षों में पहली बार एक नया सैन्य अड्डा बनाने की योजना बना रहा है। हेगसेथ ने वर्जीनिया में मरीन को बेस क्वांटिको में कनिष्ठ अधिकारियों और अधीनस्थ सैन्यकर्मियों के नेतृत्व के समक्ष ये घोषणाएं कीं।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/ शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक / साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

फ्लाईदुबई विमान में कैंप्टन पर चाकू से हमला करने वाले ओमानी सह पायलट का मकसद अब भी स्पष्ट नहीं

यरुशलम,एजेंसी। इजराइल जा रही उड़ान में अपने कैप्टन पर चाकू से हमला करने वाले ओमानी सह—पायलट की पहचान और उसके हमले के मकसद का बृहस्पतिवार को भी पता नहीं चल सका। इस घटना के बाद विमान खतरनाक तरीके से नीचे गिरने लगा था और उसे आपात स्थिति में सऊदी अरब में उतारना पड़ा था। जांचकर्ता मामले की अधिक जानकारी जुटाने में लगे हुए हैं। संयुक्त अरब अमीरात से इजराइल के तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की उड़ान में सवार 174 यात्रियों में शामिल इजराइली यात्रियों ने बताया कि खून से लथपथ भारतीय कैप्टन ने कॉकपिट का दरवाजा खोला जिसके बाद वे अंदर गए। इसके बाद उन्होंने सह—पायलट से भिड़कर विमान को संभालने में मदद की। विमान इतनी तेजी से नीचे उतर रहा था कि उसका दिशा नियंत्रित करने वाला ‘रडर’ तक टूट गया था। इजराइल के राष्ट्रपति कार्यालय द्वारा जारी एक नए



बयान के अनुसार इस घटना में मदद करने वाले यात्रियों में से एक आसफ रजुआन ने बताया, “हम खुद को असहाय महसूस कर रहे थे, हवा में लटकें हुए थे और मुझे समझ नहीं आ रहा था कि मदद के लिए किसकी ओर रुख करूं। उस समय हम बस जीवित बचने की स्वामाविक कोशिश कर रहे थे।” सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात के अधिकारियों ने इस मामले पर सार्वजनिक रूप से बहुत

कम जानकारी दी है। उन्होंने केवल इतना बताया है कि घटना की जांच की जा रही है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि सह—पायलट को गिरफ्तार कर लिया गया है। इस उड़ान के नायक के रूप में व्यापक रूप से सराहे जा रहे कैप्टन स्मित मच्छार की हालत स्थिर बताई गई है। सऊदी अरब में भारतीय दूतावास ने बुधवार रात यह जानकारी दी। गिरफ्तार

अफ़ग़ानिस्तान में टीटीपी के ठिकानों पर पाकिस्तान का हमला, 22 आतंकी ढेर करने का दावा, तालिबान ने लगाया आरोप



उन्हें अंजाम देने के लिए करने दे रहा है; अफगान तालिबान ने इन आरोपों को खारिज किया है। पाकिस्तान के सूचना मंत्रालय ने कहा कि देश की सुरक्षा बलों ने प्रतिबंधित ज्ज् के ठिकानों और सुरक्षित पनाहगहों के खिलाफ अच्छी तरह से योजनाबद्ध और सटीक हवाई हमले किए। मंत्रालय ने कहा कि विश्वसनीय खुफिया जानकारी के आधार पर अफगानिस्तान में दो जगहों पर आतंकवादी कैंपों और ठिकानों को फ्सटीकताफ के साथ निशाना बनाया गया। बयान में कहा गया लक्ष्यों को सटीकता के साथ नष्ट कर दिया गया और शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार बाईंस आतंकवादी मारे गए हैं। इसमें यह भी कहा गया कि

के लिए पाकिस्तान का आतंकवाद-विरोधी अभियान गुजब—ए—हक पूरी गति से जारी रहेगा। तालिबान सरकार के प्रवक्ता ज़बीहुल्लाह मुजाहिद ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि इन हमलों में महिलाओं और बच्चों समेत नौ अफगान नागरिक मारे गए, 11 अन्य घायल हुए और तीन घर तबाह हो गए। उन्होंने बताया कि ये हमले कुनार प्रांत के शुल्तान ज़िले के चुगाम और हेलमंद प्रांत के गर्मसेर जिले के सफर में किए गए। उन्होंने कहा हम इस हरकत की निंदा करते हैं; यह सभी स्वीकृत सिद्धांतों का उल्लंघन करते हुए की गई आक्रामकता और अपराध है। पाकिस्तान ने इन हमलों को ज्ज् के ठिकानों के ख़िलाफ़ एक टारगेटेड ऑपरेशन बताया है, जबकि अफगानिस्तान की तालिबान सरकार का कहना है कि इसमें नागरिक मारे गए और घर तबाह हुए। इस ताजा घटनाक्रम ने दोनों पड़ोसी देशों के बीच तनाव और बढ़ा दिया है, जिनके बीच चरमपंथी समूहों की मौजूदगी और सीमा पार हमलों को लेकर पहले से ही मतभेद हैं।

जान दांव पर लगा भारतीय पायलट ने छुड़ाया हाईजैक विमान! एक लाईन से नेतन्याहू–ट्रंप सब ने ठोका सलाम

इजराइयली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने प्लेन क्रैश रोकने वाले भारतीय पायलट कैप्टन स्मिथ मछार की तारीफ की है। नेतन्याहू ने एक्स पर पोस्ट में लिखा कि गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद मछार ने हमलावर का सामना किया। वह सच्चे हीरो हैं। वहीं पीएम मोदी ने कैप्टन की तारीफ करते हुए लिखा कि कैप्टन मछार हीरो हैं। भारत को उन पर गर्व है। उनकी बहादुरी से सैकड़ों लोगों की जान बची और एक बड़ी त्रासदी टल गई। इसके अलावा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी हमले में घायल दूसरे पायलट की बहादुरी की तारीफ की और उन्हें हीरो



बताया। वहीं इजराइल एयरलाइन पायलट्स एसोसिएशन ने भी फ्लाई दुबई के कैप्टन स्मिथ मछार और इमरजेंसी के दौरान विमान में मौजूद राहत प्लाइट के क्रू का शुक्रिया अदा किया है। एसोसिएशन ने स्मिथ मच्छार की बहादुरी की तारीफ भी की है। इन सबके बीच फ्लाई दुबई ने यूएई और इजराइल के बीच अपनी सभी उड़ाने अस्थाई तौर पर रोक दी हैं। एयरलाइन का कहना है कि जब तक जांच जारी है तब तक इजराइल आने जाने वाली उड़ाने सस्पेंड रहेंगी। जांच से सामने आने वाले फैक्ट्स के आधार पर आगे फैसला लिया जाएगा। वहीं इस घटना में घायल भारतीय पायलट कैप्टन स्मिथ मच्छार की हालत स्थिर बताई जा रही है। इंडियन एंबेसी के मुताबिक उनका सऊदी अरब के तबुक शहर के अस्पताल में इलाज चल रहा है। दूतावास और जहा स्थित इंडियन काउंसिलेट उनकी सेहत पर नजर रख रहे हैं और उनके परिवार के संपर्क में हैं।

घटना की जांच अभी जारी है। अब आपको पूरा घटनाक्रम बताते हैं। 30 सितंबर को फ्लाई दुबई की प्लाइट ९1073 दुबई से इजराइल के तेलवी के लिए रवाना हुई थी। विमान में कुल 174 लोग सवार थे। इनमें यात्री और क्रू मेंबर्स शामिल थे। उड़ान के दौरान कॉकपिट में दोनों पायलटों के बीच अचानक हिंसक झड़प हो गई। आरोप है कि को पायलट ने कैप्टन स्मिथ मछार पर चाकू से हमला कर दिया। इसके बाद विमान करीब 30 सेकंड में लगभग 14,000 फीट नीचे आ गया। विमान में पहले इमरजेंसी कोड 7700 भेजा गया। विमान से मतलब कि यह कोड भेजा गया। इसके बाद कुछ समय के लिए 7500 कोड भी भेजा गया जो विमान में हाईजैक का संकेत देता है। इसके बाद विमान को सऊदी अरब के तबुक की तरफ मोड़ा गया। इसी दौरान विमान में मौजूद यात्रियों और क्रू के कुछ सदस्यों ने कॉकपेट में पहुंचकर हमलावर को काबू करने की मदद की कोशिश की। रिपोर्ट्स के मुताबिक प्लेन में मौजूद दूसरे फ्लाई दुबई पायलटों ने भी विमान को संभालने में मदद की। आखिरकार प्लाइट की सऊदी अरब के तबुक एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। सऊदी अधिकारियों के मुताबिक प्लेन सुरक्षित उतरा और यात्रियों को कोई गंभीर चोट नहीं आई थी। घायल क्रू मेंबर्स को अस्पताल ले जाया गया। कैप्टन स्मिथ मछार इसी हमले में घायल हुए थे। अब सवाल आता है कि हमला करने वाला को पायलट कौन था और उसने क्यों ऐसा किया? इजराइयली अधिकारियों के मुताबिक आरोपी को पायलट ओमान का नागरिक था। उसे सऊदी अरब में हिरासत में लिया गया है और वहीं जांच चल रही है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि को—पायलट ने कैप्टन मछार पर हमला करने के बाद कथित तौर पर विमान को क्रैश करने की कोशिश की। अभी तक आरोपी के मकसद की आधिकारिक पुष्टि हालांकि नहीं हुई है। घटना के बाद इजराइल ने भी अपने यहां आने वाले पायलटों की सिक्वोरिटी चेकिंग बढ़ाने का फैसला किया है। इजराइली अधिकारियों के मुताबिक प्लाइट में हुई इस घटना के बाद पायलटों की सुरक्षा और जांच प्रक्रिया को और सख्त किया गया है। घटना के बाद यात्रियों को तबुक से इजराइल पहुंचाने के लिए दूसरी फ्लाइट्स का इंतजाम किया गया।

यहीं यह ध्यान देना ज़रूरी है कि अफगानिस्तान में भूकंप और झटकों का खतरा बहुत ज्यादा है क्योंकि यह दुनिया के सबसे सक्रिय भूकंपीय क्षेत्रों में से एक में स्थित है, जहाँ भारतीय और यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेटें आपस में मिलती हैं।

प्रतीत होता है कि सह—पायलट “शायद आतंकवादी था या शायद कोई सनकी व्यक्ति।” नेतन्याहू ने कहा कि उन्होंने संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से बात की है और वह इस बात पर सहमत हुए हैं कि इजराइल संदिग्ध से पूछताछ में शामिल होगा। इजराइल के विदेश मंत्रालय ने कहा कि विमान में सवार लोग इजराइल, भारत और संयुक्त अरब अमीरात के नागरिक थे। अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि चार यात्रियों के पास अमेरिकी नागरिकता थी। फ्लाईदुबई ने कहा है कि जांच पूरी होने तक इजराइल से आने—जाने वाली उसकी उड़ानें निलंबित रहेंगी। नेतन्याहू ने हाल के दिनों में सुरक्षा संबंधी कुछ अज्ञात और बढ़े हुए खतरों को लेकर चेतावनी दी थी। इजराइल पर हमास के नेतृत्व में सात अक्टूबर 2023 को हुए हमले की बरसी में अब एक सप्ताह बाकी है। दुबई से उड़ान भरने के करीब ढाई घंटे बाद पैदा हुई अफरातफरी के दौरान विमान करीब एक मिनट में 33,000 फुट से 17,000 फुट नीचे आ गया था। इसके बाद उसने जॉर्डन की सीमा के पास अनियमित तरीके से चक्कर लगाया और करीब एक घंटे बाद सऊदी अरब के तबूक शहर में उतरा। ‘प्लाइटरडार24’ के अनुसार विमान बोइंग 737 मैक्स 8 था। विमान और हवाई यातायात नियंत्रण के बीच हुई बातचीत सुनने वाले एक व्यक्ति ने बताया कि विमान को अंततः तबूक में उतरने से पहले सऊदी अरब और जॉर्डन ने अपने हवाई क्षेत्र से दूर कर दिया था। इस दौरान पृष्ठभूमि में यात्रियों की चीखें सुनाई दे रही थीं। पायलट की आवाज कांप रही थी और उसने “मे डे” कहते हुए बताया कि विमान का अपहरण किया जा रहा है। हवाई यातायात नियंत्रण के अधिकारियों ने विमान को उतरने की अनुमति नहीं देने का कोई कारण नहीं बताया। विमान और हवाई यातायात नियंत्रण के बीच हुई बातचीत सुनने वाले व्यक्ति ने नाम न बताने की शर्त पर यह जानकारी दी।

घराशायी होने से बाल–बाल बचा अफगानिस्तान!

हिंदू कुश में 126 किमी नीचे हिली धरती, 5.3 की तीव्रता से कांपे लोग

गुरुवार तड़के जब दुनिया सोकर उठ ही रही थी, तभी अफगानिस्तान की धरती में अचानक एक भयानक हलचल हुई। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार, गुफ्वार सुबह 6रु59रु20 बजे (ॲ) अफगानिस्तान का हिंदू कुश इलाका 5.3 की तीव्रता वाले शक्तिशाली भूकंप के झटकों से दहल उठा। भूकंप का केंद्र काबुल से लगभग 165 किलोमीटर उत्तर–उत्तर–पश्चिम में 35.981 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 68.700 डिग्री पूर्वी देशांतर पर स्थित था। राहत की बात यह रही कि इस भूकंप का केंद्र जमीन से 126 किलोमीटर गहराई (वमघम थ्वबने स्तज्जींनाम) में था, जिसके कारण सतह पर बड़े पैमाने पर तबाही होने से बच गई। NCS के अनुसार, भूकंप जमीन के नीचे 126 किलोमीटर की गहराई पर आया। इसका केंद्र अफगानिस्तान में, देश की राजधानी काबुल से लगभग 165 किलोमीटर उत्तर–उत्तर–पश्चिम में था। भूकंप की निगरानी करने वाली एजेंसी द्वारा जारी कोऑर्डिनेट्स के अनुसार, इसका केंद्र 35.981 छ अक्षांश और 68.700 E देशांतर पर था। अपने अपडेट में छै ने कहा, भूकंप की तीव्रता: 5.3, समय: 01 / १० / 2०26 06:59:20 IST, अक्षांश: 35.981 छ, देशांतर: 68.700 र, गहराई: 126 किमी, स्थान: अफगानिस्तान।

अब तक किसी नुकसान या हताहत होने की जानकारी नहीं मिली है

NCS द्वारा जारी जानकारी भूकंप की तीव्रता, समय, गहराई और स्थान की पुष्टि करती है। हालाँकि, अब तक मिली जानकारी में भूकंप के बाद किसी के हताहत होने, ढाँचे को नुकसान पहुँचने या अन्य प्रभावों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है। यह पता लगाने के लिए कि क्या भूकंप से कोई नुकसान हुआ है या आबादी वाले इलाकों में इसके तेज़ झटके महसूस किए गए, अफगान अधिकारियों या भूकंप की निगरानी करने वाली एजेंसियों से और जानकारी की जरूरत होगी। हिंदू कुश इलाका अफगानिस्तान और पाकिस्तान के आसपास भूकंप के लिहाज से सबसे संवेदनशील इलाकों में से एक है।

हिंदू कुश—पामिर बेल्ट में अलग—अलग गहराई पर भूकंप आते रहते हैं, जिनमें कम गहराई वाले झटकों से लेकर बहुत ज्यादा गहराई वाली भूकंपीय घटनाएँ शामिल हैं। इस इलाके की जटिल भू—संरचना का सीधा संबंध भारतीय और यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेटों के बीच चल रही टक्कर से है। इन विशाल प्लेटों की लगातार हलचल ने हिमालय और उसके आस—पास के पहाड़ी इलाकों को आकार दिया है, साथ ही इस पूरे इलाके में जबर्दस्त भूकंपीय गतिविधियाँ भी पैदा की हैं।

अफगानिस्तान में भूकंप का खतरा क्यों ज्यादा है?

यहीं यह ध्यान देना ज़रूरी है कि अफगानिस्तान में भूकंप और झटकों का खतरा बहुत ज्यादा है क्योंकि यह दुनिया के सबसे सक्रिय भूकंपीय क्षेत्रों में से एक में स्थित है, जहाँ भारतीय और यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेटें आपस में मिलती हैं।

विमान करीब एक मिनट में 33,000 फुट से 17,000 फुट नीचे आ गया था। इसके बाद उसने जॉर्डन की सीमा के पास अनियमित तरीके से चक्कर लगाया और करीब एक घंटे बाद सऊदी अरब के तबूक शहर में उतरा। ‘प्लाइटरडार24’ के अनुसार विमान बोइंग 737 मैक्स 8 था। विमान और हवाई यातायात नियंत्रण के बीच हुई बातचीत सुनने वाले एक व्यक्ति ने बताया कि विमान को अंततः तबूक में उतरने से पहले सऊदी अरब और जॉर्डन ने अपने हवाई क्षेत्र से दूर कर दिया था। इस दौरान पृष्ठभूमि में यात्रियों की चीखें सुनाई दे रही थीं। पायलट की आवाज कांप रही थी और उसने “मे डे” कहते हुए बताया कि विमान का अपहरण किया जा रहा है। हवाई यातायात नियंत्रण के अधिकारियों ने विमान को उतरने की अनुमति नहीं देने का कोई कारण नहीं बताया। विमान और हवाई यातायात नियंत्रण के बीच हुई बातचीत सुनने वाले व्यक्ति ने नाम न बताने की शर्त पर यह जानकारी दी।

प्रतापगढ़ ब्यूरो

शरद कुमार श्रीवास्तव 7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक स्व.कन्हैया लाल स्व.श्रीमती साधना सम्पादक उमेश चंद्र श्रीवास्तव प्रबन्ध सम्पादक अरविन्द पाण्डेय संयुक्त सम्पादक अनंत श्रीवास्तव संयुक्त सम्पादक (तकनीकी) केशव श्रीवास्तव विधि सलाहकार कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक

उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा

कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज,

विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई

लूकरांज, इलाहाबाद से

मुद्रित कराकर

289/238ए,कर्नलगंज

इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक

उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.

यूपीएचआईन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।